भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 293 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 18 अक्टूबर 2021 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की आग पहुंची भारत, कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के सामने भजन गाकर जताया विरोध

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के विरोध में कोलकाता इस्कॉन मंदिर समिति से जुड़े लोगों ने बांग्लादेश उप उच्चायोग के सामने भजन गाकर अपना विरोध प्रकट किया। पिछले एक सप्ताह से बांग्लादेश में कट्टरपंथी लोग हिंदू मंदिरों को निशाना बना रहे हैं। इस हिंसा में आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कुछ दिन पहले बांग्लादेश के एस्कॉन मंदिर में कट्टरपंथी लोगों ने तोड़फोड़ की थी। इतना ही नहीं देशभर के कई हिंदू मंदिरों में अराजकतत्वों ने हिंसा की और मंदिरों में देवी-देवताओं की मूर्तिन्यों के छेड़छाड़ और तोड़-फोड़ की। इस हिंसा में अभी तक आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस हिंसा की आग अब भारत पहुंचने लगी है।बांग्लादेश के नोआखली में एक इस्कॉन मंदिर में भी तोड़फोड़ की गई थी और भीड़ ने एक हिंदू भक्त की हत्या कर दी थी।

रेल रोको आंदोलनः आज सुबह 10 से शाम 6 बजे तक ट्रेनें रोकेंगे किसान

मंत्री अजय मिश्र की बर्खास्तगी व गिरफ्तारी की मांग

सोनीपत (हरियाणा) (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा कि लखीमपुर खीरी में हुई किसानों की हत्या के मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को बर्खास्त करने व गिरफ्तार करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। पहले से घोषित कार्यक्रम के तहत 18 अक्तूबर को देशभर में भारत में रेल सेवाओं को बाधित किया जाएगा। साथ ही कहा कि रेल संपत्ति को कोई नुकसान पहुंचाए बिना रेल रोको आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। एसकेएम ने सभी घटकों को कहा कि दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए।रेल रोको आंदोलन को सफल बनाने के लिए रविवार को किसान संगठनों ने तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सड़क मार्ग बाधित नहीं किया जाएगा, केवल रेल रोकने के लिए कहा गया है। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतन मान ने कहा कि इसके लिए सभी जिलों में कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं राकेश बैंस ने कहा कि रेल रोको आंदोलन के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं।

एसकेएम समन्वय समिति के सदस्य बलबीर राजेवाल ने रविवार को कहा कि 3 अक्तूबर को लखीमपुर खीरी में हत्याकांड के तुरंत बाद मोर्चा ने विरोध जताने के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा की थी। एसकेएम शुरू से ही अजय मिश्र टेनी को केंद्र सरकार में मंत्रिपरिषद से बर्खास्त करके गिरफ्तार करने की मांग करता रहा है। यह स्पष्ट है कि अजय मिश्र के मंत्री पद पर होने के कारण इस मामले में न्याय की उम्मीद नहीं है। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि उनका बेटा आशीष मिश्र लखीमपुर खीरी हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। रिपोर्टों से संकेत मिल रहा है कि चश्मदीदों पर गवाही न देने और अपने बयान दर्ज नहीं करने का दबाव है। भाजपा में उनकी पार्टी के सहयोगी दावा कर रहे हैं कि वह पूरे घटनाक्रम के सूत्रधार थे। एसकेएम नेता बलबीर राजेवाल ने कहा कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत संयुक्त किसान मोर्चा और उसके सहयोगी घटक 18 अक्तूबर को पूरे भारत में रेल सेवाएं सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बाधित रखेंगे। उनका यह कार्यक्रम रेल संपत्ति को बिना क्षति पहुंचाए पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि न्याय मिलने तक आंदोलन को और तेज किया जाएगा। एसकेएम ने कहा कि लखीमपुर खीरी किसान हत्याकांड के शहीदों की अस्थियों के साथ उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों में विभिन्न मार्गों पर शहीद कलश यात्राएं निकाली जा रही हैं। यात्राओं की अगवानी के लिए भारी संख्या में किसान व आम आदमियों की भीड़ उमड़ रही है। उधर, पुलिस ने भी संभावित आंदोलन को देखते हुए अपनी तैयारी शुरू कर दी है और सभी जिलों में पुलिस को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

डेंगू-बुखार के बाद पीलीभीत के पांच मरीजों में मिला लेप्टोस्पायरोसिस

पीलीभीत (एजेंसी)। डेंगू बुखार से परेशान उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में पहली बार शुरू हुई जांच में पांच मरीज लैपटोस्पाईरोसिस सामने आए हैं। चूहों से फैलने वाली

इस बीमारी की दस्तक से स्वास्थ्य विभाग की नींद उड़ी हुई है। हालांकि मरीज ठीक होने का दावा किया जा रहा है। सहायक जिला मलेरिया अधिकारी राजीव मौर्य ने मीडिया से कहा कि बीमारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पशुपालन विभाग और कृषि विभाग को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। अभी तक बुखार आने पर डेंगू, मलेरिया, टीबी और टायफाइड की जांच कराई जा रही थी। इस बार पहली बार डेंगू के सैंपल के साथ ही लैपटोस्पाईरोसिस वैक्टीरिया की भी जांच शुरू की गई है।

सहायक जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि इस जांच में जिले से पांच मरीजों में इसके वायरस की पुष्टि हुई है। लखनऊ से आई रिपोर्ट में चंदोई से दो, पौटाकलां, बीसलपुर के मोहल्ला दुबे और न्यूरिया से एक एक मरीज में लैपटोस्पाईरोसिस वैक्टीरिया की पुष्टि हुई है। नए वायरस के ग्रसित मरीजों के मिलने से स्वास्थ्य विभाग मे हड़कंप मचा हुआ है। टीमों को मरीजों के गांव भेजा गया है। बीमारी की रोकथाम के लिए कृषि और पशुपालन विभाग को पत्र भेजा गया है।

बांग्लादेश से भी निकाले जाएंगे रोहिंग्या मुसलमान? हसीना बोलीं- बन गए हैं भारी बोझ

ढाका (एजेंसी)। म्यांमार में हिंसा के बाद जान बचाकर बांग्लादेश में शरण लेने वाले रोहिंग्या मुसलमानों को वहां से भी निकाला जाएगा? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को कहा कि ये लोग उनके देश पर भारी बोझ बन गए हैं। हसीना ने इन पर संसाधनों की बर्बादी का भी आरोप लगाया।

ढाका ट्रिब्यून की एक खबर के मुताबिक, शेख हसीना ने राजधानी में नीदरलैंड्स के नवनियुक्त राजदूत एनी गेरार्ड वेन लीयूवेन से मुलाकात के दौरान

कहा, ''वे बांग्लादेश पर भारी बोझ बन गए हैं। कोक्स बाजार में पर्यावरण और जंगल के संसाधन बर्बाद किए जा रहे हैं।'' गौरतलब है कि कोक्स बाजार में बड़ी संख्या में रोहिंग्या मुसलमान अस्थायी कैंपों में रह रहे हैं।

म्यांमार की सेना की बर्बरता का शिकार होकर 2017 में समुदाय के लाखों लोग जान बचाकर बांग्लादेश पहुंचे थे। अधिकांश रोहिंग्या मुसलमानों ने कॉक्स बाजार कैंप में शरण ली है और इसे दुनिया का सबसे बड़ा शरणार्थी शिविर कहा जाता है। बांग्लादेश को उम्मीद थी कि म्यांमार में हालात सुधरने के बाद ये वापस लौट जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब रोहिंग्या मुसलमानों को कॉक्स बाजार से भाषणचार द्वीप पर शिफ्ट किया जा रहा है। कॉक्स बाजार से यहां करीब 1 लाख लोगों को लाए जाने की योजना है।

केरल में बारिश की तबाही के बीच उत्तराखंड और बंगाल में बिगड़ेगा मौसम का मिजाज, दिल्ली में भी जमकर बरसे बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में भारी बारिश से मची तबाही के बीच उत्तराखंड और बंगाल में भी मौसम का मिजाज बिगड़ने वाला है। पश्चिम बंगाल में 20 अक्टूबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है तो उत्तराखंड में भी अगले दो दिनों में भारी बारिश की चेतावनी ने डरा दिया है। सरकार ने एहतियात के तौर पर स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए है तो पर्यटकों को जोखिम वाले इलाकों में ना जाने की सलाह दी गई है। उत्तरी तेलंगाना में बने कम दबाव के क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी से चल रही दक्षिण पूर्वी हवाओं की वजह से पश्चिम बंगाल में 20 अक्टूबर तक भारी बारिश हो सकती है।

आ गई राजस्थान की बारी! सीडब्लूएस के बाद राहुल गांधी ने गहलोत से घर पर की मीटिंग, प्रियंका भी मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच शनिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, करीब सवा घंटे तक चली इस बैठक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अजय माकन भी मौजूद थे। यह बैठक कांग्रेस कार्यसमिति की मीटिंग के बाद राहुल गांधी के आवास पर बुलाई गई थी। हालांकि, इस बैठक के बारे में पूछे जाने पर माकन ने मीडिया से कहा, 'कुछ खास नहीं था। यह रूटीन बैठक थी।' माना जा रहा है कि

इस बैठक में संभावित कैबिनेट विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर चर्चा हुई है।

राजस्थान में गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच तनातनी से जुड़ा विवाद पिछले कई महीनों से चल रहा है। पायलट गुट की मांग रही है कि उन्हें मंत्रिमंडल विस्तार और बोर्डों-निगमों की नियुक्तियों में सम्मानजनक हिस्सेदारी दी जाए। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोग चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके हितों के लिए।

चुनाव से पहले अखिलेश ने दिया एक और झटका, बसपा के कई नेता सपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आरएस कुशवाहा, पूर्व सांसद कादिर राणा व पूर्व विधायक उदय लाल मौर्य के अलावा कई बसपा नेताओं और जन प्रतिनिधियों ने रविवार को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरि प्रकाश तिवारी भी समर्थकों के साथ सपा में शामिल हो गए। इन नेताओं ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में भरोसा जताया। माना जा रहा है कि इन नेताओं के सपा में शामिल हो जाने से बसपा को झटका लगा है। इससे पहले भी बसपा के कई नेता सपा में शामिल हुए थे। इस मौके पर बांदा से पूर्व बसपा प्रत्याशी मधुसूदन कुशवाहा, राष्ट्रीय पाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राम सेवक पाल, कुशवाहा महासभा के विजय कुशवाहा, लखीमपुर खीरी के पूर्व विधायक डॉ. विमलेश गौतम, प्रेम सिंह कुशवाहा व प्रधान संघ के रोहित यादव के अलावा महोबा, बांदा व बुंदेलखंड से आए सैकड़ों लोग सपा में शामिल हुए।अतुल आक्रोश दूबे, दिलीप मिश्रा व सुनील तिवारी सहित इटावा, आगरा व औरैया के कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों ने भी सपा की सदस्यता ली। इसी तरह चौधरी अमरपाल सिंह, बिल्लू चौधरी, कय्यूम चौधरी, शाकर अली, रजनीश कटारिया, प्रवीण प्रजापति, महकार सिंह गुर्जर, रजनीश व अली हसन सहित बड़ी संख्या में प्रधान, बीडीसी व पूर्व प्रधान भी सपा में शामिए।

यूपी के दो लाख किसानों को मुआवजा देगी यूपी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार के निर्देश पर बारिश के चलते धान व गनन आदि फसलों के हुए नुकसान का आकलन पूरा हो गया है। प्रदेश में करीब दो लाख किसान ऐसे पाए गए हैं, जिनकी फसल हालिया अतिवृष्टि/बाढ़ के कारण खराब हो गई। कृषि और राजस्व विभाग के सर्वेक्षण के बाद अब जल्द ही मुआवजा वितरण भी शुरू हो जाएगा। रविवार को उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने फसल क्षतिपूर्ति आकलन की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया है कि बाढ़ और अतिवृष्टि से कृषि फसलों को हुए नुकसान का आकलन पूरा हो गया। करीब दो लाख किसान ऐसे चिन्हित हुए हैं, जिनकी कृषि उपज बाढ़ के चलते खराब हुई है। मुआवजे के एवज में इन किसानों को करीब 68 करोड़ की धनराशि दी जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि एक भी पात्र किसान क्षतिपूर्ति से वंचित न रहे। हर तरह की कृषि उपज के नुकसान की भरपाई की जाएगी।

हिंदुत्व पर भागवत और उद्धव ठाकरे के बयान से गरमाई सियासत, अब ओवैसी ने भी मारी एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत द्वारा विजयादशमी समारोह में हिंदुत्व को लेकर दिए गए बयान पर राजनीति तेज हो गई है। शिव सेना प्रमुख और महाराष्ट्र मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने तो इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की ही है। एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी भी बीच में कूद पड़े हैं। ऐसे में आने वाले विधानसभा चुनाव में मुद्दा तूल पकड़ सकता है। संघ प्रमुख ने संघ के सालाना दशहरा समारोह में अपने उस रुख को दोहराया था कि इस देश में रहने वाले सभी लोगों के पुरखे एक ही हैं। उन्होंने कहा था कि अपने स्व का स्मरण करते हुए हिंदू समाज को फिर से जागृत होना होगा। संघ का यह कार्यक्रम नागपुर में शुक्रवार सुबह आयोजित हुआ था, जबकि उसी दिन शाम को मुंबई में उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के दशहरा समारोह में भागवत पर तंज करते हुए कहा था कि अगर हमारे पुरखे एक ही हैं तो लखीमपुर में प्रदर्शन कर रहे लोगों के पूर्वज क्या अलग थे? क्या वह दूसरे ग्रह से आए हुए लोग थे? उद्धव ने संघ और अपनी

विचारधारा को तो एक बताया लेकिन साफ किया कि रास्ते अलग-अलग हैं। उन्होंने परोक्ष रूप के प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधा और कहा कि झोला उठाकर चल दूंगा, ऐसी सोच हमारी नहीं है।

भागवत और उद्धव ठाकरे के इन बयानों के बीच में एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने भी निशाना साधते हुए शिवसेना को भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि राकांपा और कांग्रेस ने तो अपने तथाकथित धर्मनिरपेक्षता को त्याग दिया है लेकिन आप अपने हिंदुत्व पर अभी भी खड़े हुए हैं। यह बयान इसलिए ही अहम है क्योंकि, महाराष्ट्र में शिव सेना की राकांपा व कांग्रेस के साथ गठबंधन की सरकार है।अब जबकि अगले साल की शुरुआत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे बयान सामाजिक ध्रुवीकरण की राजनीति को मजबूत करते हैं। ओवैसी बिहार के बाद उत्तर प्रदेश में अपने लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। और उनका बयान ऐसी नजर से देखा जा रहा है। वहीं, उद्धव ठाकरे भाजपा से अलग होने के बाद अपने-अपने हिंदुत्व के तेवर बरकरार रखने में जुटे हुए हैं। कांग्रेस और राकांपा के साथ रहते हुए उन पर कई सवाल खड़े हुए। ऐसे में भागवत पर तंज कसकर वह खुद को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत ने अरूणाचल सेक्टर में एलएसी पर निगरानी बढ़ाई

मीसामारी (एजेंसी)। भारत ने अरूणाचल प्रदेश सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास दिन और रात में निगरानी काफी बढ़ा दी है और चीन के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए इसने विशिष्ट विमानों और अन्य युद्धक सामग्री की तैनाती की है। यह जानकारी रविवार को घटनाक्रम से अवगत लोगों ने दी। पिछले साल गलवान घाटी में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बाद भारत ने करीब 3400 किलोमीटर लंबी एलएसी के पास संपूर्ण तैनाती में बढ़ोतरी की है। इसके अलावा यह आधारभूत सुविधाओं का भी विकास कर रहा है।

खबर संक्षेप

सुजावन देव मेले की व्यवस्था को लेकर उप मुख्यमंत्री को सौंपा मांग पत्र

घूरपुर। क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थल सुजावन देव घाट पर लगने वाले भैया दूज के दिन दो दिवसीय मेले की व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए मुख्य पुजारी ने उपमुख्यमंत्री से मिलकर मांग पत्र दिया(बतादें कि घूरपुर के सुजावन देव घाट पर भैया दूज के दिन दो दिवसीय मेले का आयोजन वर्षों से होता चला आ रहा है। मुख्य पुजारी ज्ञानेंद्र भारथी ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के पीने के पानी घाट पर स्नानार्थियों की सुविधा के लिए बिजली व प्रकाश तथा महिलाओं को स्नान के बाद कपड़े बदलने आदि की व्यवस्था की मांग करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मिलकर उक्त मांग भरा पत्र सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने मेले की व्यवस्था को सुसज्जित करने की बात कही है ।

घर के सामने लगे बागवान को तीसरी बार उखाड़ा

घूरपुर। इलाके के चौकठा गांव में कुछ अराजक तत्वों ने घर के सामने लगे बागवान को तीसरी बार उखाड़ क्षतिग्रस्त कर दिए। पीड़ित ने थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। चौकठा गांव निवासी सतीश कुमार विश्वकर्मा पुत्र शिव शंकर घर के पास दर्जनों फलदार पौधे और सब्जियों के पौधे लगाया था। शनिवार की रात अज्ञात अराजक तत्वों ने सारे पौधे उखाड़ क्षतिग्रस्त कर दिए। सुबह देखा तो उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने बताया कि यह तीसरी बार किया गया है। थाने पहुंच शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

घर के बाहर सोए बुजुर्ग किसान की सिर कूंचकर हत्या, बेटा गिरफ्तार

होलागढ़ थाना क्षेत्र के राम गुलाम का पूरा मुकुंदपुर गांव की घटना

अखंड भारत संदेश

मृतक बुजुर्ग किसान की (फाइल फोटो) व हत्या के बाद पुलिस के गिरफ्त में मृतक बुजुर्ग किसान का बेटा ।

प्रयागराज। होलागढ़ थाना क्षेत्र के रामगुलाम का पूरा मुकुंदपुर गांव में बीतीरात राम कुमार सरोज (63) की ईंट-पत्थर से कूंचकर हत्या कर दी गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से परिवार में हाहाकार मचा हुआ है। पुलिस ने घटना के पीछे परिवार के ही किसी सदस्य पर शक जाहिर किया है। रामकुमार सरोज घर के बाहर मड़हे में चारपाई पर सोए थे। सुबह उनकी खून से लथपथ लाश मिलने से हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घटना किसने और किसलिए की है यह सबके मन में सवाल उठ रहा है। खेती किसानी करके परिवार का खर्च चलाने वाले रामकुमार की किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी। बड़े बेटे को पुलिस ने हिरासत में लिया। रामकुमार के चार बेटी और दो बेटे हैं। पुलिस के अनुसार बड़े बेट राजेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। परिवार के अन्य सदस्यों से भी पूछताछ की गई है। सभी ने किसी से कोई दुश्मनी होने से इनकार किया है।

खून से सना ईंट बरामद

पुलिस के अनुसार आरोपी राजेश यादव को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर खून से सना ईंट बरामद किया गया। साथ ही एक ईंट का किनारा टूटा हुआ और आरोपी का बनियान, लोअर और चैनदार शर्ट बरामद किया गया। यह कपड़े आरोपी के द्वारा वारदात को अंजाम देते समय पहने गए थे।

कलश पूजन,दीप प्रज्वलन और संतो के आशीष से शुरू होगा जमुनापार महोत्सव आज से

करछना। गंगा तमसा तट से सपीम स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कालेज रामपुर के परिसर में आज से पांच दिवसीय 24वें जमुनापार महोत्सव का आगाज होगा।अपनी माटी परिपाटी संस्कृति संस्कार सामाजिक समरसता और लोककलाओं की अलख जगाने वाले महोत्सव में प्रतिदिन स्वामी विनोदानंद जी महाराज और साक्षी देवी द्वारा मानस प्रवचन के अलावा लोक कलाकार,साहित्यकार,कवि,स्कूली प्रतिभाएं अपने प्रस्तुतियों से विभिन्न दिवसों पर महोत्सव में समां बाधेगें।पांच नदियों से आनित जल कलश के अभिषेक,वेदपाठियों द्वारा स्वस्थि वाचन के साथ उद्घाटन दिवस पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.वीके सिंह मुख्य अतिथि होगें।इसके अलावा जमुनापार के विद्वतजन और समाजसेवी आर्शिवचन के साथ मंच पर मौजूद रहेगें। संयोजक डॉ.भगवत पाण्डेय ने बताया कि दिन में दो बजे महोत्सव का उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न होगा इसके बाद अनवरत पांच दिनों तक कार्यक्रम चलेगा।समापन दिवस पर महोत्सव की पूर्व परंपरा के अनुरूप क्षेत्रीय प्रतिभाओं और जमुनापार की विभूतियों का अभिनंदन सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होने जमुनापार वासियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए लोगों से महोत्सव में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

न्यूज झरोखा

संस्था ने मुफ्त कम्प्यूटर शिक्षा देकर समाज को नई दिशा दी हैं : सुभाष सिंह

घूरपुर। समर्पण जागृति संस्थान की बैठक करमा के एक विद्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समाजसेवी जनो ने संस्था के कार्यों उद्देश्यों के साथ संस्था के मजबूती के और समाज मे कुछ करने के जज्बा को जागृत किया।

संस्था के संस्थापक व वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष सिंह पटेल ने विगत दिनों संस्था द्वारा किए कार्यो को गिनाकर अग्रिम योजनाओं को वृस्तृत रूप से प्रस्तुत किया। और बताया कि हमारी संस्था ने मुफ्त में कम्प्यूटर शिक्षा देकर समाज को नई दिशा दी है। जिसके कारण निजी और शासकीय पदों पर नियुक्त होकर दर्जनों लोग समाज मे संस्था का गौरव बढ़ा रहे है। वही समाजसेवी ओपी सिंह पटेल ने समाज को अपने हित के लिए संस्था से जुडने और लाभान्वित होने की बात बताकर संस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुचाने का आह्वान किया। वरिष्ठ पत्रकार दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने कहा अपने लिए तो सभी कुछ ना कुछ करते है। परंतू जो अपनो से आगे बढ़कर समाज को दिशा देकर उनके उत्थान के माध्यम से मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास करते है। गरीबो, असहायों की मदद करते है वही महान और सच्चा समाजसेवी है। आपको लोगो को यह संस्था अपने को समाज मे स्थापित करने का मौका दे रही है बाकी तो आपके कार्यो पर निर्भर करेगा। संस्था के चेयरमैन संतोष पटेल ने पूरे प्रजेंटेशन को प्रोजेक्टर द्वारा दिखाकर जागरूक करते हुए सदस्यों संग अतिथियों का स्वागत किया। एक-एक विषय पर वृस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही ओपी सिंह, प्रधान दीपनारायण पटेल, मूलसजीवन आदि लोगों को संस्था की सदस्यता दिलाकर प्रमाणपत्र दिया। इस अवसर पर प्रकाश सिंह बादल, दिवाकर पटेल,धनान पटेल, सावित्री देवी पटेल,राम शिरोमणि पटेल, शशि केसरवानी,गुड्डन भारतीय के साथ कई सदस्य गण उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार हर पहलू पर विफल : रावेन्द्र मिश्रा

सहसों। केन्द्र व प्रदेश की योगी मोदी सरकार हर पहलू पर विफल होती जा रही है। भाजपा की इस तानाशाही सरकार से जनता त्रस्त हो चुकी है एक तरफ सरकार किसानों की आय दोगुनी होने की बात करती है तो दूसरी तरफ लखीमपुर खीरी में किसानों पर बर्बरता पूर्ण रवैया अपनाती है। उक्त बातें थानापुर सहसों स्थित एक रेस्टोरेंट में रावेन्द्र मिश्रा उर्फ रवि राष्ट्रीय प्रवक्ता लोहिया वाहिनी समाजवादी पार्टी प्रयागराज एवं 256 विधानसभा फूलपुर के प्रबल दावेदार ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहा आज देश में बढ़ती महंगाई खासकर पेट्रोल डीजल के दाम आसमान छू रहा है। सरकार कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने को तैयार नहीं है परंतु सांसदों एवं विधायकों की पुरानी पेंशन बंद नहीं कर रही है। जिससे जनता इस सरकार से त्रस्त एवं उब चुकी है। इस मौके पर प्रमुख रूप से मौजूद सपा के युवा नेता एवं समाज सेवी 257 प्रतापपुर विधानसभा के प्रबल दावेदार महेश पटेल, विजय तिवारी उर्फ टुल्लू , प्रियांशु मिश्रा, योगेश पांडे, मनीषानन्द मिश्रा, किशन शुक्ला आदि मौजूद रहे।

डीएम साहब कब सुधरेगें मेजा ब्लाक के जिम्मेदार अधिकारी!

अखंड भारत संदेश

अपनी बदहाली पर आसू बहा रहा है मेजा ब्लाक बीडीओ आवास से लेकर पूरे कैम्पस में गंदगी का साम्राज्य स्थापित पंचायतो का विकास करने वाली ब्लाक का आखिर कब होगा विकास

मेजा। डीएम साबह जिले का चर्चित ब्लाक मेजा इन दिनों यहॉ तैनात भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों की मनमानी रवैया के चलते अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। बीडीओ आवास से लेकर सम्पूर्ण कैम्पस साफ-सफाई के अभाव में भीषण गंदगी से अटा पटा हुआ है जिम्मेदार लोग लूट-खसोट एवं भ्रष्टाचार से फुर्शत नही है आखिरकार ग्राम पंचायतों का सर्वांगीण विकास करने वाले मेजा ब्लाक का विकास कब होगा। और कब सुधरेंगे यहॉ के जिम्मेदार अधिकारी। उल्लेखनीय है कि मेजा ब्लाक के तत्कालीन बीडीओ चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव के स्थानांतरण के पश्चात उक्त ब्लाक की कमान मैडम सपना अवस्थी को मिली है जो इन-दिनों मेजा के अलावा उरूवा ब्लाक का अतिरिक्त कार्यभार देख रही है। बीडीओ मैडम के ही कार्यकाल में प्रमुॅख पद का चुनाव भी सम्पन्न कराया गया था इसी दौरान मेजा ब्लाक में एडीओ पंचायत के पद पर कार्यरत रहे तत्कालीन सहायक खण्ड विकास अधिकारी रमाशंकर त्रिपाठी का भी स्थानांतरण हो गया और उनके स्थान पर उरूवा ब्लाक में मठाधीश के रूप सें पॉव जमाये रमाकान्त पाण्डेय को एडीओ पंचायत मेजा की कुर्सी पर बैठा दिया गया। इस सम्बंध में ब्लाक सूत्रों की माने तो उनके अनुसार जब से रमाकांत पाण्डेय को मेजा ब्लाक से सम्बंधित ग्राम पंचायतों कै विकास की जिम्मेदारी सौपी गयी है तब से गांव का विकास होना तो दूर रहा खुद मेजा ब्लाक ही अपने विकास लेकर ऑसू बहा रहा है। गौरतलब है कि उक्त ब्लाक से सम्बंधित पच्चास प्रतिशत अभी भी ऐसे गॉव है जहॉ शौचालय सिर्फ कागज में बने हुए हैं। रही बात सरकारी आवास की तो आवास भी ऐसे अपात्र लोगों को आवंटित किये गये है जो पात्रता की श्रेणी में आते ही नही है। ऐसे में यदि कोई शिकायतकर्ता जॉच की आवाज बुलंद करता है तो यहॉ के मठाधीस एवं लूट खसोट एवं भ्रष्टाचार में लिप्त एडीओ पंचायत द्वारा उस शिकायतकर्ता की आवाज दबाने के लिए जॉच के नाम पर लाभार्थी से मोटी रकम वसूल कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है जिसमें बीडीओ से लेकर ग्राम पंचायत अधिकारिओं की भी सांठ-गाठ होने की बात भी कही गयी है। इतना ही नही मेजा ब्लाक के वर्तमान हालात पर नजर डाले तो यह ब्लाक इन दिनों अपनी ही बदहाली पर रोता नजर आ रहा है। बीडीओ आवास से लेकर सम्पूर्ण ब्लाक कैम्पस में गंदगी का जहॉ साम्राज्य स्थापित हो गया है वही समूचा ब्लाक कैम्पस गोशाला में तब्दील हो गया है। हलांकि इस सम्बंध में दो दिन पूर्व नव निर्वाचित ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने मेजा ब्लाक के बदहाल व्यवस्था के बावत किये गये सवाल पर अफसोस जाहिर किया था और ब्लाक के इस बदहाली के जिम्मेदार लोगों के प्रति सख्त कदम उठाने के साथ-साथ मेजा ब्लाक का शीघ्र ही कायाकल्प किये जाने का आश्वासन भी दिये थे। फिलहाल ऐसे में जिले के कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मेजा क्षेत्र की जनता का कहना है कि डीएम साहब ग्राम पंचायतों का विकास करने वाली ब्लाक का विकास आखिरकार कब होगा और यहॉ जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी कब सुधरेगें।

दुर्गा पूजा पंडाल में नन्हे मुन्हे कलाकारों को किया गया सम्मानित

सहसों। नवरात्रि के आखरी दिन मां भगवती की आराधना, पूजा, आरती करते हुए पूजा पंडाल में बाल कलाकारों द्वारा मनमोहक नृत्य, सुंदर भजनों के प्रस्तुति पर उन कलाकारों को भेंट उपहार देते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहसों के इनायतपुर मोहल्ले में नौ दिन तक चले पूजा पंडाल में कार्यक्रम के नौवें दिन समापन पर क्षेत्र के युवा समाज सेवी एवं शिक्षक आलोक कुमार सिंह ने मां भगवती की कृपा से पंडाल में कन्या पूजन एवं कन्याओं को भोजन कराया एवं उन कन्याओं एवं कलाकारों को उपहार भेंट किया तथा जगतजननी मां जगदंबा से लोक कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर मोहल्ले के सभी देवी भक्त महिला पुरुष, युवक युवतियां, बालक वृद्ध उपस्थित रहे।

किसान के बेटे को आईआईटी में मिली सफलता

शंकरगढ़। क्षेत्र के तेंदुआ गांव के रहने वाले किसान पुत्र रजत सिंह ने प्रतिष्ठित आईआईटी की परीक्षा में सफलता अर्जित की है। रजत सिंह को आईआईटी ऑल इंडिया में 869वीं रैंक मिली है। रजत सिंह की सफलता पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जाहिर की है। रजत सिंह शुरू से ही होनहार विद्यार्थी रहे हैं। उनके पिता अंशुमान सिंह पेशे से किसान हैं और मां एक सामान्य गृहणी हैं। रजत के परीक्षा परिणाम की जानकारी मिलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। लोगों ने रजत के घर पहुंचकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बड़े पिताजी हेमराज सिंह, शिक्षक राज नारायण सिंह, दयाशंकर सिंह, लक्ष्मीनारायण सिंह ने रजत को आशीर्वाद दिया।

ओम सहाय विधायक प्रत्यासी उम्मीदवार का भ्रमण

अखंड भारत संदेश

कोरांव। आज कोरांव विधानसभा के संभावित व प्रमुख प्रत्याशी समाजवादी पार्टी विधानसभा कोरांव के ओम सहाय ने कोरांव विधानसभा का क्षेत्रीय दौरा कर कोरांव विधानसभा के लोगों का कुशल छेम जाना और समाजवादी पार्टी की नीतियों व सिद्धान्तों तथा पूर्व वत में समाजवादी पार्टी की जनकल्याण कारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताया और 2022 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनानें की अपील की।

संभावित प्रत्याशी ने कहाँ की समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का निर्णय सर्वमान्य है जो भी कोरांव विधानसभा से समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी होगा उसके साथ शीर्ष नेतृत्व के आदेशानुसार कदम से कदम व कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी व संघटन के लिए कार्य करता रहूँगा। अगर पार्टी विश्वास जताते हुए कोरांव विधानसभा से उम्मीदवार बनाती है तो कोरांव विधानसभा के लोगो के मान सम्मान की लड़ाई लड़ूँगा और कोरांव विधानसभा की सीट जीतकर अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत कर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाऊंगा। वहाँ पर उपस्थित जिलासचिव किताब अली ने कहाँ की कोरांव विधानसभा में समाजवादी पार्टी का संघटन बहुत मजबूत है जो भी समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार होगा उसको जिताकर भेजना ही हम लोगों का लक्ष्य होगा। वहाँ पर उपस्थिति शहादत अली प्रदेश सचिव समाजवादी लोहिया वाहिनी ने कहाँ की भारतीय जनता पार्टी की सरकार संविधान को खत्म करने की दिशा व दशा में काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में जंगल राज्य कायम है। वर्तमान सरकार दलित व अल्पसंख्यक विरोधी है इस सरकार को गरीबों से कोई वास्ता नही यह सरकार पूंजी पतियों की सरकार है।वर्तमान सरकार समाजवादी पार्टी के बढ़ते जनाधार से विचलित हो गई है। वहाँ पर उपस्थित समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ललन पटेल ने कहाँ की वर्तमान सरकार किसान विरोधी है और किसानों के ऊपर जबरदस्ती काला किसान विरोधी बिल लाकर देश व प्रदेश के किसानों को बर्बाद करने की दिशा में पूजी पतियों के इशारे पर वर्तमान सरकार कार्य कर रही है। साथ मे प्रमुख रूप से समाजवादी पार्टी के जिलासचिव अल्पसंख्यक मासूक अहमद विधानसभा अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा सफात अली शाह विधानसभा महासचिव मो हारून प्रशांत पवन सोनकर विधानसभा सचिव रुपनाथ पांडेय पूर्व प्रधान भेगसर व गांव के सम्भ्रांत लोग उपस्थित रहे।

ग्राम का सर्वांगीण विकास मेरा मुख्य उद्देश्य : प्रधान शहजादे अल्हवा

डा0मो0 समीम पसना

आधा दर्जन से अधिक सड़कें निर्मित,काफी लघु सीमांत कृषकों के खेत हुए समतली करण,कार्य जारी,

ग्राम सचिवालय भवन तैयार, कई इंटरलॉकिंग सड़कें निमार्णाधीन,

मनरेगा पार्क का निर्माण कार्य शुभारंभ,पार्क के ही बगल बनेगा उप स्वास्थ्य केंद्र, और गांव के पूरब नदी के किनारे बनेगा बैकुंठ धाम,और एक चेकडैम और दो बंधे तथा एक दर्जन बंधियां,कोलन बस्ती से पक्की रोड तक डेढ़ किलोमीटर चार मीटर चौड़ी इंटर लॉकिंग तथा डब्लू वीं एम सड़क,मुख्य विकास अधिकारी से मांगी अनुमति

कोराव। कुछ ग्राम पंचायतें ऐसे भी हैं जहां के निर्वाचित ग्राम प्रधान ग्राम सभाओं का सर्वांगीण विकास करने में पूरी ताकत लगाते देखे जा रहे हैं जिससे उक्त गांव के कुछ विपक्षी या नफरत के मरीज के अलावा सारा गांव खुस नजर आता है।

ऐसा ही एक दृश्य कोराव ब्लॉक के ग्राम पंचायत अल्हवा में देखने को मिला,जहा नव निर्वाचित ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्धिकी उर्फ शहजादे ने ग्राम प्रधान पद की शपथ लेते ही पूर्व ग्राम प्रधानों की अनदेखी की शिकार खंडहर में तब्दील ग्राम सचिवालय भवन का अपने ग्राम पंचायत अधिकारी अभिसेख कुमार सिंह के साथ निरीक्षण किया। और तत्काल निर्माण कार्य चालू कराने को निर्देशित किया। साथ ही ग्राम की सारी समितियों का गठन कर युद्ध स्तर पर ग्राम का विकास कार्य खाता खुलने के पूर्व ही शुरू करवा दिया। जिससे ग्राम का विकास के साथ साथ श्रमिकों को रोजगार मिले।

बताते चलें कि प्रधान ने सर्व प्रथम इंदिरा अथवा प्रधान एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को रिश्वत के तौर पर कोई भी सुविधा शुल्क न लिए जाने की हिदायतें दुग्गी पिटवा कर दी। प्रधान ने बताया यदि दस पांच हजार रुपए गरीबों से कालोनी का पैसा रिश्वत के तौर पर लेलूगा तो आवास अधूरा रह जायेगा। प्रधान शहजादे ने घोषणा किया कि जिस मजदूर गरीब की बेटी की शादी बिना पैसे के अभाव में नहीं हो रही उस लड़की की शादी में कराऊंगा। उन्होंने कहा कि भूंख आदि के चलते कोई गरीब मरने नहीं पाएगा। और न कुपोषण से मारने दिया जायेगा। हर विधवा विकलांग गरीब महिलाओं को हर साल एक एक धोती तथा ठंड से बचने के लिए कम्बल वितरित किया जायेगा। ग्राम प्रधान ने बताया कि अब हर गरीब के स्कूली बच्चों का जन्म दिवस स्कूल में हम मनाएंगे। इस के लिए अध्यापकों से सूची बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अपात्र लोग अपना अपना राशन कार्ड निरस्त करवा लें। जिससे पात्रों को खाद्यान्न का लाभ दिया जा सके। उन्होंने बताया कि गांव सभा में कुल सवा सौ चक्मार्ग हैं। जिन्हे चिन्हित कराया जा रहा है। और अतिचारियों से भूमि खाली कराकर मार्गों का जाल बिछाया जायेगा। आधा दर्जन से अधिक मार्गों का निर्माण कराया जा चुका है और भी मार्ग निमार्णाधीन हैं।

ग्राम प्रधान ने बताया कि एक अस्पताल,तथा मनरेगा पार्क एवं बैकुंठ धाम के अलावा दो बंधे,आधा दर्जन बंधियाँ,एक चेक डैम,का निर्माण शुरू हो रहा है। साथ ही साथ काफी लघु सीमांत किसानों का समतली करण और मेर बंदी,कार्य कराया गया और निरंतर कार्य जारी है। कई इंटर लॉकिंग मार्ग बनाए जा रहे हैं। और कोलान बस्ती की दस साल पूर्व बनी पक्की सड़क पूरी की पूरी नस्ट हो जाने के बाद किसी प्रधान ने मरम्मत के लिए नहीं सोंचा। जिससे आवागमन बाधित है। उसको ध्यान में रखते हुए जन प्रतिनिधियों से संपर्क किया और मुख्य मंत्री तक पत्र व्यवहार किया किंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। आवा गमन सुलभ हेतु प्रधान ने सीधे मनरेगा से ही डेढ़ किलोमीटर मार्ग चार मीटर चौड़ी निर्मित करवाने की ठान ली। जिससे पूरी रोड पार्ट पार्ट में इंटरलॉकिंग तथा कुछ डब्लू बी एम मार्ग निर्मित कराकर आवागमन सुलभ कराया जा सके। ग्राम प्रधान शहजादे जो मिसकिन सेवा संस्थान ट्रस्ट के फाउंडर भी हैं,उन्होंने बताया कि गांव में एक मिडिल स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्र भवन जरूरी है। जिसके लिए मुख्य मंत्री जी को पत्र लिख कर मांग की है। साथ ही तीन समुदाईक शोंचालय की भी मांग कर रखी है। उन्होंने कहा कि मेरे गांव में बजट न के बराबर है। इसी वजह से विकास के लिए किए गए नीतिगत फैसले अमलीजामा नहीं पहनाया जा सक रहा। प्रधान और लेखपाल जो भूमि प्रबंधक समिति के क्रमशः चेयर मैन और सचिव हैं,ग्राम समाज की जमीनों को खाली करने की चेतावनियां भी दी। किंतु कुछ लोग नहीं माने और फसल बो दी। जिसकी शिकायत राजस्व प्रशासन से की गई। ढुलमुल कार्यवाही देख प्रधान ने सीधे जिलाधिकारी तथा मुख्य मंत्री एवम साशन से कर दी। जिसपर टीम गठित कर सरकारी जमीनें खाली कर कार्यवाही का फरमान सासन से जारी हो गया है। राजस्व और पुलिस की टीमें भू माफियाओं द्वारा कब्जा की गई जमीनें खाली कराएगी जिससे निर्माण विकास कार्य हो सके साथ ही भूमिहीनों को कृषि तथा आवासीय आवंटन किया जा से। प्रधान और लेखपाल अतुल तिवारी ने बताया की यदि ग्राम समाज की जमीनें खाली नहीं करते तो सीधे थाना कोराव में एफ आई आर दर्ज करा दिया जायेगा। साथ ही अल्हवा की पक्की सड़क के किनारे रास्ते की जमीनों पर अवैध कब्जे कर मकान बनाकर राजस्व की हानि करने वालों के खिलाफ लोक सम्पत्ति निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी। ग्राम सभा के किसानों ने प्रधान का सराहनीय कार्य बताया है। और उम्मीद है कि उक्त सोशल वर्कर प्रधान से गांव की तस्वीर बदलना निश्चित है।

ग्राम प्रधान शहजादे ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लेकर कोटेदार को चेतावनी शपथ लेने के बाद ही दी थी। किंतु सुधार नहीं लाया। उसका कहना था कि है जब तहसील और आपूर्ति विभाग के अफसरों को गोदाम से लेकर कार्यालयों तक सुविधा शुल्क प्रति माह देते हैं तो डर किस बात की। फिलहाल ग्राम प्रधान ने कोटेदार के विरुद्ध सरकारी गाइड लाइन के विपरीत कार्य कर खाद्यान्न में हेराफेरी की शिकायत किया। चर्चा है जिसपर कोटेदार को आपूर्ति विभाग से आरोप पत्र जारी हुआ। प्रधान ने नए कोटेदार के चयन के लिए 21 जून को ही ग्राम सभा की खुली बैठक में ही प्रस्ताव पारित कराया था। इधर खंड विकास अधिकारी कोराव को भी ग्राम प्रधान ने पत्र लिख कर शहायक विकास अधिकारी पंचायत से जांच कराए जाने की मांग कर दी। जिसपर जांच कार्यवाही का निर्देश हुआ है। कोटेदार पर ग्राम प्रधान के अलावा ग्राम पंचायत विकास अधिकारी से भी खाद्यान्न वितरण प्रमाण पत्र पर शाइन कभी नहीं कराया और न ही लेखपाल से। पता चला की लेखपाल अल्हवा का मात्र सितंबर माह का शाइन कराने के बाद शेष महीनों का खाद्यान्न वितरण प्रमाण पत्र फर्जी आपूर्ति कार्यालय में जमा कर दिया। लेखपाल ने तहसीलदार कोराव द्वारा सिकायतोप्रांत मांगी गई आख्या के मुताबिक फर्जी हस्ताक्षर की पुष्टि की। जिससे एफ आई आर का भी रास्ता खुल गया। खाद्यान्न वितरण रजिस्टर पे भी लाभार्थियों का काफी लोगों का फर्जी शाइन इंट्री कर खाद्य का घोटाला किया। जांच के समय ग्रामीणों ने बयान लिखित और मौखिक भी दिए। उक्त शिकायत प्रधान ने स्वयं अपर जिलाधिकारी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति प्रयागराज तथा जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव खाद्य एवम रसद विभाग उत्तर प्रदेस सासन से की थी।

ग्राम प्रधान ने बताया कि कोटेदार और भू माफिया एवम इलाके के खनन माफिया एक जुट हो कर प्रधान की हत्या किए जाने का सड़यंत्र रच रहे हैं। जिसकी सूचना जिला प्रशासन और मुख्य मंत्री तक की है। जिस पर कोराव की पुलिस भू माफियाओं आदि से पूंछ तांच कर करवाई की चेतावनिया दी हैं। फिलहाल प्रधान एक वरिष्ठ पत्रकार भी हैं और सोशल एक्टिविस्ट भी,जिससे इलाके के खनन माफिया प्रधान को रास्ते से हटाने के लिए साजिश कुचक्र रचते आ रहे हैं। प्रधान शहजादे ने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं,ग्राम और इलाके के समग्र विकास के लिए समर्पित रहूंगा। जब ऊपर वाला रूठेगा तो कोई नहीं बचा पाएगा। ईश्वर पे विश्वास है गरीबों,मजदूरों,विधवाओं आदि की दुयाएं मेरे साथ है।

भाजपा किसान मोर्चा ने चौपाल लगाकर किसानो को बताई सरकार की योजना

अखंड भारत संदेश

भाजपा किसान मोर्चा की चौपाल में सरकार की योजना बताते उपाध्यक्ष राकेश सिंह

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मंडल जसरा ने चितौरी मे चौपाल लगा किसानो को सरकार की योजनाओ से अवगत कराया। योजनाओ के लाभ से वंचित दर्जनो किसानो को योजनाओ से जोड़ लाभान्वित कराया। चौपाल के मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा यमुनापार के जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि सरकार किसानों के लिए कई योजनाएं बनाई है। जिसमे मुख्य रुप से किसान सम्मान निधि योजना है। जिससे किसानों की खेती बाड़ी आसान हो गई है। बारा विस्तारक तोयज पांडेय ने केंद्र प्रदेश सरकार की उपलब्धिया गिनाई। किसानो को मालाओं से सम्मानित किया गया। चौपाल के संयोजक जसरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक शुक्ल ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद् अर्पित कर आभार प्रकट किया। मिडिया प्रभारी अजय द्विवेदी, हुकुम बहादुर सिंह ,उपाध्यक्ष अनूप शुक्ल, महामंत्री विनोद साहू, मंत्री मोहन सिंह, सदस्य शिवेंद्र शुक्ल, छविनाथ दुबे आदि सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी चौपाल में मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

करछना के 25 गांवो में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आज

करछना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना के अंतर्गत आने वाले गांवो में 18 अक्टूबर सोमवार को 25 गांवो में मेगा वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया है जिसमें 18 वर्ष के ऊपर के सभी को वैक्सीनेशन किया जाएगा उक्त आशय की जानकारी एडीओ पंचायत करछना विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि विकास खंड करछना के 25 गांवो में मेगा वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया है जिसमें बबुरा , रामपुर, मुगारी, जगदीशपुर घोड़ेडीह, बरदहा बसही, डीहा ,पनासा लखरावा, करेहा, सोनाई, घटवा कौवा बराव, ककरम ,धरवारा, भंडेवरा ,चंदौली ,मेडरा, देवरी कला, महेवा ,खाई ,लोहरी ,वीरपुर उन्होंने बताया कि सभी गांव के प्रधानों पंचायत सचिव को सूचित किया गया है कि मेघा वैक्सीनेशन कैंप की कि गांव में मुनादी कराकर वैक्सीनेशन कैम्प के विषय में लोगों को जानकारी से अवगत कराया जाएगा जिससे वैश्विक महामारी करोना से लोगों को निजात मिल सके।

असिस्टेंट टीचर-प्रिंसिपल परीक्षा का पर्चा आउट

अखंड भारत संदेश

प्रिंसिपल की बेटी के लिए लीक हुआ था पेपर
एसटीएफ ने दो को पकड़ा भाई-बहन समेत चार फरार

परचा आउट कराने में पकड़े गए केएन काटजू के प्रिंसिपल व सहायक टीचर

प्रयागराज। प्रदेश भर में रविवार को हुई एडेड जूनियर हाईस्कूल प्रिंसिपल/असिस्टेंट टीचर सेलेक्शन परीक्षा-2021 में बड़ी धांधली सामने देखने को मिली है। परीक्षा के दौरान प्रयागराज जिले के डॉ. केएन काटजू इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल राम नयन द्विवेदी व टीचर अशोक तिवारी ने पर्चा आउट कर दिया। पर्चा आउट होने की भनक जब एसटीएफ को हुई तो तत्काल एसटीएफ परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए और प्रिंसिपल व टीचर को पकड़ लिया '

एसटीएफ सीओ नवेंदु सिंह ने बताया है कि प्रिंसिपल ने बेटी को पास कराने के लिए पेपर आउट कराया है। कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल आकाश खरे, प्रिंसिपल का बेटा अनुग्रह उर्फ छोटू, बेटी आकांक्षा द्विवेदी और सॉल्वर वीरेंद्र कुमार फरार हैं, इनकी तलाश की जा रही है। आरोपी अशोक तिवारी ने एसटीएफ को बताया कि 9 बजकर 37 मिनट पर पेपर क्लास में पहुंचा तो प्रिंसिपल राम नयन के कहने पर उसकी फोटो खींच ली। उसके बाद फोटो प्रिंसिपल के बेटे और वाइस प्रिंसिपल को भेज दी, ताकि वो सॉल्वर की मदद से प्रिंसिपल की बेटी आकांक्षा का पेपर हल करा सकें। आकांक्षा भारत स्काउट्स एंड गाइड इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर पेपर दे रही थी। आपको बता दें कि प्राधिकारी की ओर से टीचर भर्ती की परीक्षा पूरे प्रदेश में 737 केंद्रों पर कराई गई,यह परीक्षा दो पालियों में कराई गई तथा कई केंद्रों पर हंगामा भी हो गया ' शहर के एक माध्यमिक विद्यालय में कुछ अभ्यर्थियों में प्रश्न पत्र का हल दिए जाने की अफवाह फैली। इसके बाद परीक्षा केंद्र पर हंगामा शुरू हो गया। नारेबाजी तक हुई। हालांकि, मौके पर तैनात पुलिस बल ने लोगों को शांत करा दिया।परीक्षा केंद्र से निकले अभ्यर्थियों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि कुछ लोगों को पहले से ही प्रश्न पत्र का हल दे दिया गया था। जब विरोध शुरू हुआ तो परीक्षा केंद्र के संचालकों ने जबरन कॉपी छीन ली। अभ्यर्थियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि करीब 6 से ज्यादा अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र का हल दे दिया गया था।जिसको लेकर परीक्षा केंद्रों के बाहर काफी हंगामा भी हुआ 'वही यह परीक्षा दो पालियों में हुई,पहली पाली की परीक्षा प्रदेश के 688 केंद्रों पर सुबह 10 से 12:30 तक और दूसरी पाली की परीक्षा 2 बजे से तीन बजे तक 49 केंद्रों पर हुई। इसमें एडेड जूनियर हाईस्कूल के असिस्टेंट टीचर के पदों पर 1504 और प्रिंसिपल के 309 पदों के लिए तीन लाख 39 हजार कैंडिडेट्स ने आवेदन किया है।

विवाहिता ने प्रेमी के साथ खाया जहर विवाहिता की मौत

घूरपुर। घूरपुर के करमा चौकी के उमरी गांव के ढेरहा बारी मजरे में रविवार को विवाहिता ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर जहर खा लिया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। उमरी गांव के विजयराज का 14 वर्ष पहले लालापुर क्षेत्र के संभा का पूरा निवासी सुषमा के साथ विवाह हुआ था। दोनों के चार बच्चे हैं जिनमें दो लड़की तथा दो लड़के हैं। विजयराज मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था। वह राजमिस्त्री का काम करता था। दोनों की खुशहाल जिंदगी चल रही थी। इसी बीच सुषमा को पड़ोस के बीस वर्षीय एक युवक अर्जुन उर्फ टुंटी से प्रेम हो गया। दोनों साथ जीने मरने की कसमें खाने लगे और चोरी छुपे मिलने लगे। शनिवार की शाम उदयराज जब घर वापस आया तो दोनों को संदिग्ध अवस्था में देखा। उसके बाद आपस में कहासुनी भी हुई। साथ जीने और मरने की कसमें खाने वाले प्रेमी व प्रेमिका ने रविवार को दोपहर में एक साथ जहर खा लिया। दोनों जमीन पर तड़पने लगे। परिजन उन्हें लेकर अस्पताल भागे जहां डॉक्टरों ने सुषमा को मृत घोषित कर दिया। युवक का करमा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

न्यूज झरोखा

नेहरू ग्राम भारती विधि संकाय के छात्रों ने किया थाना भ्रमण

प्रयागराज। विधि संकाय नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा बीए, एलएलबी, तथा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर के छात्र/ छात्राओं का थाना भ्रमण कार्यक्रम सरायइनायत थाना में सीओ फूलपुर सर्किल के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सीओ फूलपुर द्वारा अधिवक्ता एवं पुलिस के बीच में समन्वय की भूमिका पर चर्चा की। इंस्पेक्टर सराय इनायत द्वारा छात्र-छात्राओं से एफआईआर, जमा तलाशी, चार्जसीट, फाइनल रिपोर्ट के बारे में गहराई से चर्चा की गयी। अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष विधि संकाय डॉ स्वप्निल त्रिपाठी द्वारा छात्र छात्राओं को समाज में वंचित तथा शोषित वर्ग के लोगो को न्याय दिलाने हेतु प्रेरित किया । कार्यक्रम में विधि छात्र-छात्राओं तथा संकाय सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किए कार्यक्रम में संकाय सदस्य डॉ राजीव नयन सिंह श्री वंशलोचन प्रसाद श्री अमित कुमार श्रीमती श्वेता गुप्ता श्री विनीत प्रताप सिंह तथा थाने के समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन इंस्पेक्टर सरायइनायत श्री आर के चौरसिया द्वारा दिया गया।

मांगों को लेकर तहसील करछना के कोटेदारों ने बैठक कर किया विचार-विमर्श

करछना। रविवार को घटवा गांव में करछना तहसील के तीनों ब्लॉक के कोटेदारों ने करछना ब्लॉक कोटेदार संघ के अध्यक्ष शिवपूजन केसरवानी के आवास पर बैठक कर विभिन्न मांगों को लेकर विचार विमर्श किया। चर्चा के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष महामंत्री रमाशंकर पांडे, चाका ब्लाक अध्यक्ष राजकरण सिंह, कौंधियारा ब्लाक अध्यक्ष राजू प्रसाद केसरवानी ने कहां की समस्त उत्तर प्रदेश कोटेदारों का कमीशन 300 रुपए कुंटल किया जाए या 30 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाए। कोटेदारों का बकाया भाड़ा 2001 से 2015 तक उठाए गए खाद्यान्न का लाभांश वह भाड़ा तत्काल दिया जाए। साथ ही एम डी एम का लाभांश एवं धारा निर्धारित एन एफ एस ए की दर पर दिया जाए। गोदाम द्वारा जो खटतौली की जा रही है, उसे कोटेदारों को खाद्यान्न काट कर दें और बोरी का वजन काट कर दिया जाए। विगत वर्ष से अब तक कई कोटेदारों का कोरोना संक्रमण से निधन हो गया है। उस पीड़ित परिवार को लाभ दिया जाए तथा कार्यरत कोटेदारों को अन्य विभागों की तरह बीमा का सुविधा कराई जाए। कोटेदार द्वारा गोदाम से राशन उठान करते समय पल्लेदारी का खर्च न लिया जाए। वन नेशन 1 कार्ड होने पर वन नेशन वन कमीशन किया जाए आदि विभिन्न मांगों पर चर्चा हुई। बैठक में महेंद्र प्रसाद दुबे , इंद्रजीत पटेल ने कहा कि अगर सरकार उनकी प्रमुख मांगों को नहीं मानती है तो ऐसी दशा में 20 व 21 नवंबर 2021 को प्रदेश भर के सभी कोटेदार कार्य से बहिष्कार करेंगे। जबकि 2 दिसंबर को लखनऊ मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। जिस मौके पर दीपचंद्र, बाउल राम पटेल, संगम लाल पटेल, मुंशीलाल, कमला प्रसाद यादव, लाल चंद्र गुप्ता, आशीष मिश्रा, त्रिलोकी नाथ, महेंद्र जयसवाल, आदि मौजूद रहे।

बेटियों पर हों रहें जुल्म को रोकना जरुरी : डा नेहा वर्मा

जसरा। प्रयागराज यमुनापार में कल्याणी फाउंडेशन की उपाध्यक्ष डा अनु वर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र के कन्यापूजन के दौरान पुस्तक, पेन एवम प्रत्येक बालिका को उनके उज्जवल भविष्य हेतु 5000रुपए का चेक उनके अभिवावकों के नाम से सौपा गया इस अवसर पर संस्थान की उपाध्यक्ष डा अनु वर्मा ने बताया कि स्त्री का अपमान देवी का अपमान हैं किन्तु दुर्भाग्य हैं कि सरकार, समाज के अनेकों सकारात्मक प्रयासों के उपरांत भी बेटियां आज भी महफूज नहीं हैं। जब तक स्त्री समाज पर जुल्म होता रहेगा तब तक नवरात्रि पूजा एवम अन्य आराधना निसफल ही होंगी। इस अवसर पर उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान करते हुए बोलीं कि 31अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार पटेल जयंती पर फाउंडेशन 11ग्राम प्रधानों को सोलर उपकरण भेंट करेगा।इस अवसर पर डा रंजना यादव, कविता उपाध्याय, डा नीता परमार, डा उमा वर्मा आदि पदाधिकारी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सिंह पटेल एवम अध्यक्षता डा नूरजहाँ ने किया।

करछना में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

करछना। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत गावों में दीपावली और वारावफात त्यौहार को शान्ति और कुशल से मनाने को लेकर थाना प्रभारी करछना टीकाराम द्वारा बुलाई गई पीस कमेटी की बैठक में विकास खंड करछना के प्रधानो क्षेत्र पंचायत सदस्यों व गणमान्य लोगों की उपस्थिति में निर्दशित किया गया कि, दोनों त्यौहारों में कोविड महामारी के गाइडलाइन का पालन करते हुए एवं सौहार्दपूर्ण शान्ति ढंग मनाने की अपील की गयी, तथा शासन के दिशा निर्देश का पालन करते हुए एवं सौहार्द पूर्ण त्यौहार मनाये जाने पर बल दिया, बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधान रामगढ़ कमला कांत शुक्ल, डीहा प्रधान प्रतिनिधि दूध नाथ यादव, मुखतार अहमद,सहित दर्जनो गांव के प्रधान , प्रतिनिधि व समाज सेवी गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

बारह वफात को लेकर उतरांव में पीस कमेटी बैठक

उतरांव। उतरांव थाना अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार सिंह की अगुवाई में रविवार को बारहवफात त्यौहार को लेकर थानाध्यक्ष की अगुवाई में पीस कमेटी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के ग्राम प्रधान जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य समाजसेवी अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।थानाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि 12 वफात का त्यौहार शांतिपूर्वक मनाएं।कोविड-19 का विशेष ध्यान दिया जाय।थानाध्यक्ष ने कहा कि त्यौहार में अगर किसी प्रकार से किसी व्यक्ति द्वारा अशांति फैलाई जाती है तो फौरन पुलिस को सूचना दें। त्यौहार को क्षेत्रवासियों से शांतिपूर्वक मनाने की अपील की।उक्त अवसर पर सुल्तान सिद्दीकी जिला उपाध्यक्ष सपा, विनोद यादव प्रधान, दिलशाद कुरेशी नान गुरु,अली हुसैन प्रधान,इस्तेखार, प्रधान,नवाब मंसूरी सपा नेता,इदरीस टाल, अमन यादव,जीसान हैदर, राशिद,आफताब,आरिफ आलम,सफीक अहमद, नदीम आदि लोग मौजूद रहे।

नियमितीकरण की मांग को चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करवाने के लिए सपा एमएलसी से मिले रोजगार सेवक

प्रयागराज। नियमितीकरण की आस में वर्षों से अल्प मानदेय में काम कर रहे रोजगार सेवकों ने अब ठान लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में उसी पार्टी के साथ रहेंगे जो उनकी नियमितीकरण की मांग को अपने चुनावी घोषणापत्र (मैनीफेस्टो) में शामिल करेगी। इसी उद्देश्य को लेकर ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अरूण यादव के नेतृत्व में रोजगार सेवकों का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को विधान परिषद सदस्य डा० मानसिंह यादव से मिलकर उन्हें अपना ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अरूण यादव ने एमएलसी (विधायक) को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि बारह वर्षों से गांव के विकास के लिए काम करने वाला रोजगार सेवक आज भी तंगहाली से गुजर रहा है। इसलिए अब अल्प मानदेय में काम कर अपने बच्चों का जीवन और अंधकारमय नहीं बनाना है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में रोजगार सेवकों के नियमितीकरण को शामिल करवाने की मांग की। जिस पर एमएलसी डा० मानसिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर उक्त मांग को पूरा करवाने का आश्वासन दिया। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पटेल ने कहा कि वर्तमान सरकार के जिम्मेदार अधिकारियों ने रोजगार सेवकों के खिलाफ काम कर भाजपा के प्रति रोजगार सेवकों में नाराजगी उत्पन्न करवाने का काम किया है। उन्होंने बताया कि लखनऊ में मनरेगा कर्मियों का सम्मेलन कर अधिकारियों ने ईपीएफ को जोड़कर मानदेय में बढ़ोतरी की है जो कि पूर्णतः गलत है। वहीं मंडल अध्यक्ष विजय चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि जो पार्टी अपने मैनीफेस्टो में हमारी मांगों को शामिल करेगी हम उसी पार्टी के साथ रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी हरिओम प्रकाश ने अपने अधिकारों के लिए लड़ने के साथ ही गांव में मनरेगा मजदूरों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करवाने की बात कही।

अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए अब दूसरों का नहीं अपना झंडा उठाए : ओम प्रकाश राजभर

शिक्षा, रोजगार व महंगाई के मुद्दे पर भागीदारी संकल्प मोर्चा ने फूका बिगुल

भागीदारी पार्टी के सम्मेलन में भाजपा के खिलाफ गरजे ओम प्रकाश राजभर

अखंड भारत संदेश

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर व मौके पर जुटे समर्थक

फूलपुर। सबका साथ सबका विकास की बात करने वाली भाजपा सरकार सत्ता के मद में चूर है। कहने को तो देश में एक तरह का ही कानून हैं पर जब लागू करने की बात हो तो सरकार जातिवादी विचारधारा अपनाकर पीड़ितों के साथ अन्याय करने लगती है। अति पिछड़ी जाति के लोगों की हत्या पर महज कुछ रूपए देकर मामले को शांत करा देने वाली सरकार कृपा पात्र वर्ग के लिए दिल खोलकर मदद करती है। उक्त बातें भारतीय सुहेलदेव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पिछड़ा वर्ग कल्याण के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने रविवार को फूलपुर क्षेत्र के चिरौडा. में आयोजित भागीदारी पार्टी के सम्मेलन में उपस्थित भारी जनसमूह को सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि कही। देश में बढ़ती मंहगाई पर उन्होंने भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी व महंगाई ने देश के अति पिछड़ों को विकास की मुख्य धारा से दूर ले जाने का काम किया है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से भागीदारी संकल्प मोर्चा को मजबूती प्रदान करने की अपील करते हुए कहा कि अब दूसरों का झंडा नहीं अपना झंडा उठाने का समय है। इसके पूर्व कार्यक्रम के संयोजक व भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान चंद प्रजापति के साथ ही अन्य कार्यकताओं ने मुख्य अतिथि का माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। जनसमूह को सम्बोधित करते हुए भागीदारी पार्टी(पी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने कहा कि उत्तर प्रदेश हत्या का प्रदेश बन गया है। भाजपा सरकार में अकेले प्रजापति जाति के ही 51 लोगों की हत्या इस बात का गवाह है। परन्तु दुर्भाग्य है कि अपनी जाति के लोगों की हत्या पर नौकरी व लाखों रुपए की मदद करने वाली सरकार ने उक्त पीड़ित परिवार की मदद के लिए एक भी रुपया नहीं दिया। वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव व पूर्व सदस्य पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम उत्तर प्रदेश डाक्टर महेश चन्द्रा ने भाजपा सरकार पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समय के साथ आई सरकारों ने अतिपिछड़ों को सिर्फ वोट बैंक समझ कर इस्तेमाल किया परन्तु अब हमें अपनी हिस्सेदारी के लिए खुद आगे आना होगा। संयोजक ज्ञानचंद प्रजापति ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कोरोना काल में पीएम केयर फंड व सीएम केयर फंड की धनराशि का दुर्पयोग करने के साथ ही भाजपा सरकार पर अन्य गंभीर आरोप लगाए। सम्मेलन में उपस्थित कलाकारों ने अपने सांस्कृतिक गीतों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। मौके पर भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कीर्ति प्रकाश द्विवेदी, राष्ट्रीय सचिव अनिल विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष रवि कांत प्रजापति, आंदोलन मंच के जिलाध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिशंकर प्रजापति, सुनील प्रजापति, अनिल प्रजापति, श्रीकांत प्रजापति, मानसिंह पटेल, महेन्द्र प्रजापति, शंभू नाथ प्रजापति, जगदीश प्रसाद प्रजापति, सोनेलाल पटेल, सत्येन्द्र कुमार, चन्द्रशेखर, वंशराज प्रजापति,इस्लाम अहमद,अनिल कुमार, अमिता शुक्ला,शुभम विश्वकर्मा, सुरेश पासी के साथ ही अन्य सक्रिय नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेले के तीसरे दिन उमड़ी भीड़

शंकरगढ़। यूपी-एमपी की सीमा पर सदियों से लगने वाले शंकरगढ़ के ऐतिहासिक दशहरा मेला के तीसरे दिन खूब भीड़ हुई। दोपहर होते-होते मेला परवान पर दिखा। लोगों ने घर-गृहस्थी के सामानों की जमकर खरीदारी की। बच्चों ने भी झूले का आनंद लिया।मेले का शुभारंभ दशहरा के दिन राजा महेंद्र प्रताप सिंह को नजराना पेश किए जाने के साथ हुआ था। मेले के पहले व दूसरे दिन यूपी व एमपी के सैकड़ों गांवों के लोगों की भीड़ देखने को मिली। पहले व दूसरे दिन यह मेला ग्रामीणांचल वालों के लिए लगता है, जबकि तीसरे दिन मेले में कस्बावासियों की भीड़ देखने को मिलती है। लोगों ने लाई-गट्टा की खरीदारी दी। बच्चों ने खिलौने खरीदे और विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद लिया। सुरक्षा के मद्देनजर एसओ शंकरगढ़ बृजेश सिंह, एसआई ऋतुराज सिंह पूरी टीम के साथ पिछले तीन दिन से लगातार डटे हुए हैं। आखिरी दिन यह मेला देर रात तक लगा रहेगा। इसके बाद कल से मेला स्थल खाली हो जाएगा।

60 लीटर देशी शराब साथ दो गिरफ्तार

लालापुर। स्थानीय पुलिस ने छतहरा गांव में छापेमारी करके एक शराब भट्ठी को तहस नहस कर भारी मात्रा में लहन को नष्ट करते हुए दो लोगों को पकड़ उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेजा है । एसओ लालापुर मनीष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि छतहरा गांव में शराब के अवैध कारोबार की सूचना मिल रही थी सूचना के आधार पर कार्रवाई के लिए एसआई इम्तियाज अहमद, हेड कांस्टेबल केंद्र प्रकाश यादव, संतोष कुमार मिश्र, आलोक मौर्य को टीम बनाकर भेजा । टीम पहुंची तोमौके पर शराब तैयार किया जा रहा था। पुलिस के पहुंचते ही मौके से कई लोग भाग निकले ,लेकिन पुलिस ने दो लोगों को मौके से पकड़ लिया । पकड़े गए मनीष कुमार उर्फ चुलबुल व राजकुमार निवासी छतहरा है ।दोनो के पास से 60 लीटर अपमिश्रित शराब ,भारी मात्रा में शराब बनाने के उपकरण व एक किलो यूरिया व तीन सौ ग्राम नौसादर बरामद करते हुए लगभग दो कुंतल लहन नष्ट किया है ।पुलिस ने दोनो आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया है ।

धूमधाम से मनाया गया विधायक नीलम करवरिया का जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

विधायक नीलम उदयभान करवरिया के 53 वें जन्म दिन पर भव्य स्वागत करते

जन्मदिन के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते

मेजा रोड। रविवार को मेजा की विधायक नीलम उदयभान करवरिया का 53वां जन्मदिन भाजपाइयों द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। ₹तुम जियो हजारो साल, साल के दिन हो पचास हजार₹ की कामना करते हुए विधायक नीलम करवरिया के समर्थकों ने उनका जन्मदिन धूमधाम के साथ मनाया। आयोजित कार्यक्रम में तिवारी बंधुओं ने सुंदर गीतों से समा बांध दिया। जिसमें विधानसभा क्षेत्र से पहुचे विधायक के प्रसंशकों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। बता दें कि रविवार को विधायक समर्थकों ने मेजारोड के श्यामकली इंटरमीडिएट कालेज मेजारोड मे जन्मदिन मनाया और उनकी दीघार्यु की कामना की। पूर्वा निधारित कार्यक्रमानुसार विधायक नीलम करवरिया ने केक काटा और अपने पार्टी कार्यकताओं का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी के आगमन पर कार्यकताओं ने नारे लगाकर जोरदार स्वागत किया। पूर्व विधायक बारा उदयभान करवरिया के पहुंचने पर कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा। मुख्य अतिथि पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी ने विधायक नीलम करवरिया को अपना आशीर्वाद दिया। यज्ञदत्त शर्मा ने कहा कि विधायक अपने कार्य को पूरी निष्ठा के साथ करें। विधायक ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह मां दुर्गा की प्रतिमा व अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। उदयभान करवरिया के साथ मंच पर खड़ी विधायक करवरिया ने भावुक गले से कहा कि अपने जन्मदिन के अवसर पर सात साल बाद इनके साथ (पति) खड़ी हूं। सात जन्मों का यह रिश्ता आप लोगों के आशीर्वाद से बना रहे। अपना आशीर्वाद दीजिए। पूर्व विधायक उदयभान करवरिया ने कहा कि उन्हें ईश्वर की कृपा से जनता की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जिसके लिये वे हमेशा ही ईश्वर की शुक्रगुजार रहेंगी। कहा कि उन्हें जनता की सेवा कर आत्मिक शान्ति की प्राप्ति होती है। जनता ने भी उन्हें सम्मान व प्यार दिया है, उसे कभी भुलाया नही जा सकता है। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी नित्यानंद उपाध्याय, एफसीआई सदस्य डॉ चन्द्रमोहन सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्रा, विजयकांत मिश्रा, मुन्नन शुक्ला, यज्ञदत्त शर्मा, सिद्धांत तिवारी, अंशुमान शुक्ला, सतीश मिश्रा, विकास शुक्ला प्रधान टुनटुन तिवारी, बाबा ओझा, राम मिश्रा, कृष्णदास गुप्ता उर्फ नाथू, पुष्कर तिवारी, ओमप्रकाश शुक्ला, नीरज द्विवेदी, शंकर लाल केशरी, सिद्धांत तिवारी प्रेम शंकर तिवारी शालू तिवारी मनोज तिवारी, रामकृष्ण जायसवाल, विधायक के नीचे जितेंद्र शुक्ला, राजेश द्विवेदी (प्रधान), राहुल द्विवेदी सहित सैकड़ों भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ध्यान व योग से चमत्कारिक उर्जा प्राप्त होती है : आचार्य प्रभाकर

अखंड भारत संदेश

पुरंदर आश्रम सोनौटी झूंसी में आनंदित एवं सफल जीवन हेतु छः दिवसीय ध्यान समाधि कार्यक्रम में आचार्य प्रभाकर व शिविर में लोग

प्रयागराज। पुरंदर आश्रम सोनौटी झूंसी में आनंदित एवं सफल जीवन हेतु छः दिवसीय ध्यान समाधि कार्यक्रम का आयोजन स्वामी परशुराम त्रिपाठी द्वारा किया गया। आचार्य प्रभाकर, आचार्य दर्शन, आचार्य अंतर आनंद, आचार्य वृंदावन द्वारा ओशो धारा कार्यक्रम में सम्यक खोज, सम्यक दृष्टि, सम्यक जागृति, सम्यक ध्यान पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम में योग, ध्यान, प्रणायाम और समाधि के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। आचार्यगण ने बताया कि भारत योग और ध्यान का जनक है। योग और ध्यान के कारण भारत को विश्व गुरु माना गया है। ओशो प्रभाकर ने भारतीय योग की सभी विद्याओं कर्मयोग, तंत्र योग, हठ योग, ज्ञान योग, भक्ति योग, सांख्य योग तथा सहज योग के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि ध्यान, योग से चामत्कारिक उर्जा प्राप्त होती है। आचार्य प्रभाकर ने बताया कि अंदर तनाव आने के श्रोतो का पता लगाने के लिए चिंता तनाव से मुक्त कैसे हो सफलता के आयाम कैसे छुये अवसाद से बाहर कैसे आएं आनंदित जीवन कैसे जिये इन सभी के लिये ध्यान की कार्य साला का आयोजन किया जिसमे मेडिटेसन ध्यान के प्रख्यात आचार्य डा. ओशो प्रभाकर दर्शन ने बताया कि मेडिटेशन, योग, ध्यान के सात स्तम्भ है जिनमे योग ध्यान एक एक पार्ट है बातचीत की शैली में आचार्य श्री ने सैकड़ो साधकों उपस्थित साधकों को तनाव के कारणों से मुक्त होने के उपाय बताये और प्रश्न उत्तर के माध्यम से भी जीवन मे अवसाद तनाव चिंता डिप्रेसन से मुक्त होकर शांत चित्त आनंदित मन से रहने जीवन मे अपने मिशन में सफलता के उपाय बताये, जिसको साधकों ने बड़े ही प्रसन्न मन से समझ कर स्वीकार किया।आचार्य जी ने कुंडलनी ध्यान के माध्यम से 40 मिनट तक चेतना को उस परम तत्व ओंकार नाद ब्रम्ह परमात्मा की निराकार शक्ति से जोड़ा जिसके हम सब प्रतिबिम्ब है। और एक अनोखी ऊर्जा से जुड़े जो सर्बत्र व्याप्त है जिसके संपर्क से आज तनाव के कारण हम सब टूट गए है अपने मूल स्रोत से टूटने के कारण सारे तनाव दुख है। इस परम शांति को सब बाहर मंदिर,मस्जिद,गुरुद्वारा, क्लबों में खोजतें है परंतु यह बाहर मिलने वाली बस्तु नही है यह तो हर प्राणी के अंदर ही है अंदर ही वह परम चेतना परमात्मा ओंकार निराकार ब्रम्ह है, जिसे देखने के लिये मिलने के लिए ध्यान के माध्यम से अपने अंदर निराकार स्वरूप में जाना पड़ेगा वंही से सुख शांति आनंद सफलता स्ट्रेसफुल जीवन जीने की पवित्र गंगा की धार बहती है सभी महान पुरुष इसी माध्यम से महान बने सर्व मान्य बने बुद्ध बने और विश्व के इतिहास में अमर बने।इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने योग, प्रणायाम और ध्यान साधना किया कार्यक्रम में भक्ति गीतों का कार्यक्रम भी हुआ शिविर में लोगों ने ध्यान, योग और प्रणायाम किया।इस अवसर पर यदुनाथ द्विवेदी, केशव नाथ मिश्रा, सुरेन्द्र पाठक, प्राचार्य डाक्टर प्रमोद तिवारी, प्रधानाचार्य प्रभाकर मिश्रा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नम आंखों से महिलाओं ने माता का किया विसर्जन

कौंधियारा। प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ विसर्जन जुलूस निकाल कर विसर्जित किया गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए। मां के अंतिम दर्शन के लिए भक्तों का रेला उमड़ता रहा। तो वही ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगर तक प्रतिमा विसर्जन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनती थी। जगह-जगह मां जगदम्बा की आरती उतारी गई और प्रसाद का वितरण किया गया। विसर्जन जुलूस जारी बाजार के प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर से उठकर जारी बस अड्डे से नहर चौराहे तक ले जाया गया उसके बाद सड़वा नहर में माता की प्रतिमा को विसर्जित किया गया। सड़वा नहर पर कई लोगों ने यहां पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। विसर्जन जुलूस में शैलेंद्र कुमार गुप्ता, विकास गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव, संतोष गुप्ता, बृजेश अग्रहरी, अशोक अग्रहरि , विनोद केसरवानी , कृपा शंकर तिवारी ऋषभ, नितेश, शिवम, शरद गुप्ता, राजू वर्मा ,राम गोपाल गुप्ता, राजकुमार यादव आदि महिलाएं विसर्जन में मौजूद रही।

पट्टी की धरती से अगाध प्रेम, यही से लड़ूंगा चुनाव

मंत्री मोती सिंह ने किसान महोत्सव में कही बातें

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रविवार को क्षेत्र के रूर शहीद स्मारक पर अवध किसान सभा के गठन के 101 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किसान महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री ग्रामीण विकास एंव समग्र विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह रहे।

अवध किसान आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री मोती सिंह ने शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्प अर्पित किया, उसके बाद स्मारक स्थल पर वट वृक्ष का रोपण किया। मंच से संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अवध किसान सभा का गठन रूर गांव में किया गया था। बाबा रामचंद्र, ठाकुर झिंगुरी सिंह, सहदेव सिंह, अयोध्या, अक्षयबर सिंह, प्रयाग, काशी, भगवानदीन, आदि किसान नेताओ ने अवध किसान सभा के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी ऐसे किसानों की शहादत को कभी भुलाया नही जा सकता है। उन्होंने कहा की पट्टी की धरती पर हमारा जन्म हुआ है और यही से चुनाव लड़ूंगा यही हमारा संकल्प है। पट्टी में विकास के लिए हमेशा सजग था और हमेशा रहूंगा। उन्होंने रूर में ब्लाक बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में फौजदार सिंह का आल्हा का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में जयराम पांडे राही व हमदम प्रतापगढ़ी ने अपनी रचनाये पढ़ी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लाक प्रमुख पट्टी राकेश सिंह पप्पू, ब्लाक प्रमुख आसपुर देवसरा कमलाकांत यादव, ग्राम प्रधान बाभनपुर अरविंद वर्मा ,स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर झिंगुरी सिंह के परपौत्र दिनेश सिंह, पूर्व प्रधान रमेश सिंह, अमित तिवारी, उदय प्रताप सिंह मुनन, राम प्रकाश पांडे, शिव प्रसाद गुप्ता, ग्राम प्रधान उमरडीहा रमाशंकर सरोज, कमलेश बहादुर वर्मा, नरेंद्र पांडे, रमाशंकर तिवारी, दिनेश तिवारी, पूर्व प्रधान राकेश यादव, चंद्र प्रकाश तिवारी, राजेश वर्मा अमरनाथ वर्मा, शेर बहादुर यादव, पूर्व प्रधान धुई अनिल तिवारी , रुपेश गिरी, धीरज सिंह,नरेंद्र सिंह, अमित सिंह, सुरेश सिंह राठौर विजेंद्र सिंह, अजीत गुप्ता, राजीव पांडे, लालजी वर्मा, महेंद्र यादव शुभम पांडे पांडे राजेश तिवारी अभिषेक तिवारी, संदीप तिवारी ,मनीष सिंह, प्रमोद सिंह लल्लुन पांडे सहित कार्यक्रम में हजारों लोग मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश पांडेय ने किया।

डीजल व पेट्रोल के दाम रोज बढ़ाकर गरीब की जेब पर सरकार डाल रही डाकाः प्रमोद तिवारी

सीडब्लूयूसी मेम्बर ने कहा कि महंगाई का विकास दिख रहा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने पेट्रोल और डीजल के दामों में रोज हो रही बढ़ोत्तरी को मौजूदा मोदी सरकार द्वारा जनता की जेब पर खुला डाका करार दिया है। श्री तिवारी ने तंज कसा है कि अब तो मोदी सरकार की सुबह होती है तो सबसे पहले वह प्रायः तीस पैंतीस पैसे पेट्रोलियम पदाथी के दाम बढ़ाकर पूंजीपति कुछ मित्रों को ही खुश किया करती है।

उन्होने कहा कि डीजल के दामों में लगातार छह बार की बढ़ोत्तरी किया जाना मध्यम वर्ग तथा गरीब किसान के लिए कमर तोड़ मंहगाई में उसकी पीड़ा और बढ़ा रहा है। सीडब्लूयूसी मेम्बर प्रमोद तिवारी ने केन्द्र की मौजूदा भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि इस सरकार में मंहगाई का ही रोज विकास दिख रहा है। इसके अलावा सरकार हर मोर्च पर देश को विनाश की तरफ ही आगे लेकर बढ़ती दिख रही है। वही केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने कश्मीर में भी इधर गैर कश्मीरियों को आतंकवादी गतिविधियों में निशाने पर लिये जाने तथा जवानों की शहादत को भाजपा के राष्ट्रवाद के नारे पर बड़ा सवाल करार दिया है। उन्होने कहा कि इन घटनाओं के बावजूद कश्मीर के हालात को भाजपा सरकार द्वारा सामान्य बताया जाना उसकी झूठ और निर्लज्जता की भी पराकाष्ठा है।

सजधज भरत मिलाप के लिये खड़ा है चौक घंटाघर, दूधिया रोशनी से नहाया शहर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बेल्हा के चर्चित भरत मिलाप की पूर्व संध्या पर पूरा शहर दूधिया रोशनी से जगमगा उठा है और चौक घंटाघर सज-धजकर भरत मिलाप के लिये तैयार हो गया है, जहां सोमवार की सुबह राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघन चारों भाइयों का मिलन होगा।

इस अवसर पर चारों दल आकर्षक चौकियां भी आधी रात के बाद निकालते हैं जिसे जनता देखने के लिये उमड़ती है। वैसे इस बार कोविड को ध्यान में रखते हुए केवल 15 चौकियों को निकालने की अनुमति दी गई है जबकि कोरोना के पहले वर्ष में भरत मिलाप में 45 आकर्षक चौकियां निकली थी। इस बार चौकियों की संख्या एक तिहाई कर दी गई है। चौक घंटाघर को सजाने संवारने का कार्य देर शाम तक होता रहा। इसमें नगर पालिका के कर्मचारी भी डटे रहे। रविवार से ही बेल्हा के मुख्य मार्ग प्रयागराज-अयोध्या मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित हो गया है। जगह-जगह पुलिस फोर्स तैनात हो गई है। रात भर लोग चौकियों का

आनंद लेते हैं और प्रातः चौक घंटाघर पर भरत मिलाप का अद्भुत दृश्य देखकर वापस लौटेंगे। चौक घंटाघर के चारों दिशाओं को आकर्षक ढंग से लाइटों से सजाया गया है। इन्हीं चारों सड़कों से चौकियां सोमवार की सुबह घंटाघर पर पहुंचेगी और भरत मिलाप होगा।

धूमधाम से मनाया गया चौदहवॉ उर्स अतीकी, हुई चादरपोशी

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के खाना पट्टी वार्ड में रविवार की सुबह पचपनवां जशने्ईद मीलादुन नबी व चैदहवॉ उर्से अतीकी धूमधाम से शुरू हुआ। सबसे पहले अकीदत मंदों ने पाक अतीक अहमद साहब की मजार पर चादरपोशी व अकीतद मंदों की ओर से गुलपोशी हुई। मुम्बई , प्रयागराज, कौशाम्बी तथा लखनऊ व अलीगढ़ समेत कई जिलों से आये मौलाना व सूफियों ने मदरसा दारूल उलूम बाबुनन्वी के अहातें में अतीक साहब की मजार पर मुल्क की अमनें शांति व खुशहाली एवं लोगों के बीच मोहम्बत के पैगाम को लेकर दुंआ भी कुबूल फरमायी। कार्यक्रम के आयोजक साहबें सज्जादा मौलाना हजरत रहमानी मियां ने गरीब तपके तथा इलाके में निराश्रित बच्चों को बेहतर तालीम के लिए अतीक साहब की जिन्दगी पर रोशनी डाली। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा सीडब्लूयूसी मेम्बर प्रमोद तिवारी की ओर से मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने भी पाक मजार पर चादरपोशी किया।

कोरोना के नाश के लिये हुआ हवन पूजन

बजरंग बली के जयकारे से गूंजा हनुमान पण्डाल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। चिलबिला के हनुमान पांडाल में मेला के अंतिम दिन श्री हनुमत उपासना सेवा समिति द्वारा कोरोना के नाश के लिए हवन किया गया। इस दौरान भक्तों के जयकारों से बजरंग बली का दरबार गूंजता रहा

भाजयुमो के निवर्तमान जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने बताया कि चिलबिला का सुप्रसिद्ध बजरंग बली का पांडाल जहाँ पर नवरात्रि में प्रत्येक वर्ष हज़ारों लोग चाँदी से निर्मित हनुमान जी के दर्शन करने आते है और अपनी मनोकामना पूर्ण होने के लिए भगवान से प्रार्थना करते है। इस वर्ष के हवन में हनुमान भक्तों ने कोरोना के सम्पूर्ण नाश के लिए हवन कुंड में आहुति दी। श्री हनुमत उपासना सेवा समिति के अध्यक्ष श्याम सुन्दर टाउ के नेतृत्व में बजरंग बली के उपासकों ने कोरोना के समूल नाश के लिए भगवान से प्रार्थना की और हवन किया। श्याम सुंदर टाउ ने बताया कि चिलबिला में नवरात्र के

दौरान चाँदी से निर्मित हनुमान जी का दर्शन करने के लिए पहले लाखों श्रद्धालु आते थे और अपनी मनोकामना पूर्ण होने की अर्ज़ी लगाते थे लेकिन पिछले 2 वर्षों से कोरोना संक्रमण के कारण चिलबिला का मेला प्रभावित हुआ है इसलिए हम सभी हनुमान भक्तों ने कोरोना के समूल नाश के लिए पूरे विधि-विधान से हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मौर्य, पूर्व सभासद गीता टाऊ, भाजपा जिला मीडिया सहप्रभारी सिद्धार्थ सिंह रघुवर, राजेश जायसवाल, शत्रुघन्वैश्य, सचिन गुप्ता, भाजपा नगर मंत्री रामकृष्ण टाऊ, आशीष मौर्य, संतोष मोदनवाल, अनिल उमर वैश्य, सिद्धि गुप्ता, तन्वी, युग गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

आरोपी के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना को लेकर केस दर्ज किया है। कोतवाली के नया का पुरवा पड़री निवासी रामकृपाल गुप्ता ने दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती सात अक्टूबर को बगल के गड़वा सरायभागमानी निवासी राम बहादुर सरोज ने उसके मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपी ने रात दस बजे घर का ताला तोड़कर महिलाओं के सोने चांदी के जेवरात व कीमती बर्तन चोरी कर ले गया। पुलिस ने शुक्रवार की देर रात घटना को लेकर चोरी का केस दर्ज किया है।

बीज हेतु उद्ययान विभाग में 19 तक करें आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी प्रतापगढ़ डा0 सीमा सिंह राणा द्वारा बताया है कि निदेशालय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा जनपद-प्रतापगढ़ में कृषकों के निजी प्रक्षेत्र पर आलू बीज उत्पादन कार्यक्रम में नगद मूल्य पर वितरण हेतु 150 कुन्तल का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें आलू बीज की प्रजाति कुफरी आनन्द आधारित प्रथम सीड साइज रू0 2080 प्रति कुन्तल, कुफरी आनन्द आधारित प्रथम ओवर साइज रू0 1530 प्रति कुन्तल व कुफरी ख्याति आधारित प्रथम सीड साइज रू0 2080 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। उन्होने बताया है कि जो कृषक भाई बीज उत्पादन हेतु विभागीय आलू बीज लेना चाहते है वे 19 अक्टूबर तक अपने आवेदन खतौनी, आधार कार्ड की छाया प्रति सहित आलू बीज मूल्य की धनराशि कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ पर जमा करा दें। आलू बीज का वितरण प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा ।

बदमाश पकड़ने गयी पुलिस पर जांनलेवा हमला, केस

बाबूतारा गांव में पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश की हालत नाजुक, एसपी की अगुवाई में हुई काम्बिग, एक आरोपी को भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली के बाबूतारा गांव में एक बार फिर खाकी और बदमाशों के बीच मुठभेड़ सुखिर्यों में आ गयी। साल भर पहले भी पुलिस की दबिश में एक बुजुर्ग की मौत को लेकर बाबूतारा कई दिनों तक चर्चा में बना रहा। बीती शनिवार की रात भी पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगने को लेकर बाबूतारा गांव रविवार को सरगर्म दिखा। हालाकि पूरे घटना में पुलिस द्वारा कुछ अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस पार्टी पर जांनलेवा हमले तथा हत्या के प्रयास व अवैध तमंचे से फायरिंग को लेकर केस दर्ज हुआ है। वही पुलिस की गोली से घायल बदमाश की स्थिति रविवार को भी नाजुक बनी हुई बताई गई। घटना में कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को धर दबोचते हुए रविवार को जेल भेज दिया।

लालगंज कोतवाली के बाबूतारा गांव में शनिवार की रात जिले की स्वाट टीम तथा कोतवाली पुलिस ने एटीएम हैंकर एक बदमाश की तलाश में दबिश दी। देर रात स्वाट टीम प्रभारी अमरनाथ राय ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि बाबूतारा गांव में कल्लू के निर्माणांधीन मकान में कंधई थाना क्षेत्र के कुछ शातिर बदमाश किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जुटे है। इस सूचना पर लालगंज कोतवाल ने कोतवाली में तैनात दरोगा अखिलेश प्रसाद तथा दरोगा अनीश कुमार यादव व आरक्षी अजय डागुर व आरक्षी श्रीराम को पुलिस जीप से भेजा । रात करीब सवां एक बजे पुलिस के मुताबिक आरक्षी श्रीराम ने मोबाइल पर कोतवाल को सूचना दी कि

बाबूतारा गांव में पुलिस व बदमाशों में मुठभेड़ हो रही है। इस सूचना पर लालगंज कोतवाल कमलेश पाल भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गये। कोतवाल के मुताबिक मुठभेड़ में कोतवाली के आरक्षी श्रीराम तथा स्वाट टीम के आरक्षी सत्यम यादव को बदमाशों की ओर से फायरिंग में गोली लग गई थी। गम्भीर रूप से घायल दोनो सिपाहियों को लेकर कोतवाल लालगंज सीएचसी पहुंचे। यहां से दोनो सिपाहियों को प्रारम्भिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया। लालगंज कोतवाल कमलेश पाल ने पुलिस टीम पर गोली बारी को लेकर दर्ज कराये गये मुकदमें कहा है कि स्वाट टीम एवं कोतवाली पुलिस द्वारा बदमाशों की घेराबंदी के समय बदमाशों ने ललकारते हुए पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस ने भी बचाव के लिए जबाब में फायरिंग की । हलाकि कुछ बदमाश भाग निकले। कोतवाल की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस टीम पर हत्या के प्रयास तथा अवैध तमंचे को लेकर केस दर्ज किया गया। इधर पुलिस ने दावा किया है कि मौके से तीन रिवाल्वर तथा पांच कारतूस बरामद भी हुए है। पुलिस टीम पर जांनलेवा फायरिंग की जानकारी होते ही जिले के एसपी सतपाल अंतिल भी लालगंज सीएचसी पहुंचे और घायल सिपाहियों के इलाज की देख रेख की। एसपी के निर्देश पर कई पुलिस टीमों ने बाबूतारा गांव क्षेत्र में बदमाशों की खोजबीन के लिए काम्बिग शुरू की। पुलिस के मुताबिक तिलौरी गांव के एक मदरसें के पास खुर्शीद उर्फ वकील पुत्र शरीफ को धर दबोचा गया। खुर्शीद पहले भी गैगेस्टर के मुकदमें में लालगंज कोतवाली का वांछित रहा है। गैगेस्टर के इस मुकदमें की विवेचना संग्रामगढ़ पुलिस कर रही है। पुलिस ने रविवार की दोपहर आरोपी खुर्शीद को जेल भेज दिया। इधर पुलिस की गोली से घायल बब्बे उर्फ तौफीक पुत्र मुस्तकीम को गम्भीर दशा में परिजन शनिवार की देर रात ही प्रयागराज के एक निजी अस्पताल ले गये। वहां बब्बू को गोली लगी देख अस्पताल प्रशासन ने पुलिस प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। हालाकि रविवार को गम्भीर रूप से गोली लगने से जख्मी तौफीक को दोपहर बाद प्रयागराज मेडिकल कालेज से नाजुक दशा में लखनऊ रेफर कर दिया गया। तौफीक को गम्भीर दशा में वेंन्सीलेटर पर रखा गया है। तौफीक को लगी पुलिस की गोली पीठ से आगे सीने में पार कर गई है। इधर तौफीक की पतनी आलिया के मुताबिक उसका पति रात में घर सोया हुआ था। अचानक देर रात पुलिस भारी संख्या में उसके घर आ पहुंची । पुलिस ने तौफीक को भागते समय गोली मार दी। गोली लगते ही तौफीक गांव में ही एक सूखे कुंए में जा गिरा। गांव के लोगों के मुताबिक तौफीक को मृत समझ घबराई पुलिस वहां से भाग निकली। कुछ देर बाद पुलिस फिर तौफीक के घर पहुंची और आस पास कई राउण्ड में फायर किया। जिले के अपर पुलिस अधीक्षक रोहित मिश्रा भी घटना की छानबीन के लिए मौके पर पहुंचे। घटना को लेकर बाबूतारा गांव में दबिश व मुठभेड़ के नाम पर खाकी एक बार फिर कई सवालों के घेरे में आ गयी है।

सपा कार्यालय पर अल्पसंख्यक सभा की बैठक सम्पन्न

2022 में सपा की सरकार बनाने का आहवान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अल्पसंख्यक सभा की बैठक बुलाई गई। जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा साबिर अली के नेतृत्व में बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन अब्दुल कादिर जिलानी ने किया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव ने मरहूम पूर्व जिला अध्यक्ष हाजी अब्दुल रज्जाक एवं मरहूम जहीरउल हसन अच्छन मामा को याद करके कहा कि यह हमारे प्रतापगढ़ अल्पसंख्यकों की रीढ़ हैं जिन्होंने समाजवादी पार्टी के लिए सब कुछ निछावर कर दिया। इस मौके पर लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शहजादा कलीम ने कहा कि इस जालिमों

की सरकार को उखाड़ ना है तो हम को एक हो जाना है ना इधर जाना है ना उधर जाना है सिर्फ हमको समाजवादी बनकर दिखाना है। वरिष्ठ नेता शकील अहमद ने कहा कि यह सरकार इतनी कमरतोड़ महंगाई कर रही है और और अल्पसंख्यकों के ऊपर कितना अत्याचार कर रही है इसका जवाब हम 2022 में देंगे। वरिष्ठ नेता शाद अली ने कहा कि हमको हर जुल्म से लड़ना है और समाजवादी सरकार बनाना है। इस मौके पर वरिष्ठ नेता वासिक खान, शहर ए आलम शिबू, जफरुल हसन, गुलफाम खान, अहमद खान, अब्दुल हई, समीम खान, इरशाद कुरैशी, सद्दाम हुसैन, जावेद अहमद, समीम खान, कमरुल हसन, सलमानी, मीडिया प्रभारी वकार अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

इलाज के दौरान महिला की मौत, पीएम को गया शव

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बहन की सगाई में पति के साथ ससुराल जा रही महिला दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गयी। इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गयी। घटना को लेकर मृतका के मायके पक्ष की आपत्ति पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए शनिवार की देर रात जिला मुख्यालय भेजवा दिया। कोतवाली के कैथौला निवासी सूबेचन्द्र गौड़ बीती तेरह अक्टूबर को अपनी पतनी भाना के साथ ससुराल जा रहे थे। मृतका के मायके उदयपुर थाना के चाहिन में उसकी बहन की संगाई थी। दम्पति के साथ पांच माह की बच्ची भी थी। कैथौला चैकी के मकदूमपुर गांव के समीप बाइक असंतुलित हो गई। घटना में मृतका को गम्भीर चोटे आ गयी। इलाज के लिए घायल भाना को सांगीपुर सीएचसी ले जाया गया था। वहां हालत गम्भीर होने पर उसे प्रतापगढ़ तथा वहां से प्रयागराज मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। शनिवार को भाना की इलाज के दौरान मौत हो गयीं। मृतका का शव परिजन लेकर कैथौला चले आये । जानकारी होने पर मृतका के भाई पप्पू सिंह ने उसकी मौत को संदिग्ध बताया । सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मायके पक्ष के शंका को लेकर महिला के शव का पंचनामाकर देर रात पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवा दिया। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खबर संक्षेप

सीडीओ के आदेश का नही हुआ पालन

कौशाम्बी। सीडीओ ने डीपीआरओ कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कर्मचारीओ की अनुपस्थित मिलने पर वेतन को रोकने की कार्रवाई कि लेकिन डीपीआरओ ने बिना अनुमति लिए कर्मचारियों का वेतन जारी कर दिया सीडीओ शशिकांत त्रिपाठी ने पखवारा भर पहले डीपीआरओ कार्यालय का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारीओ की अनुपस्थित होने के कारण मामले को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ ने अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोक दिये जाने का निर्देश डीपीआरओ को दिया था लेकिन डीपीआरओ ने बिना अनुमति के कर्मचारियों का वेतन जारी कर दिया है।

चोरी के मोबाइल के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त नौशाद पुत्र मुन्ना निवासी सिराथू थाना सैनी को गिरफ्तार कर जमा तलाशी के दौरान एक मोबाइल बरमाद किया गया व अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

कोरोना के दृष्टिगत की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का उलंघन करने वाले व यातायात के नियमो का न मानने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमें 102 वाहनों का ई चालान किया गया व 4 वाहन से 1750 रुपए सम्मन शुल्क वसूल किया गया व बिना मास्क लगाए घूम रहे व सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का उलंघन करने वाले 21 व्यक्तियों से 2400 रुपए जुमार्ना वसूला गया।

अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अवैध शराब के निर्माण एंव तस्करी के विरुद्ध चलए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस द्वारा अभियुक्त शम्भू पुत्र स्व0 अमरनाथ निवासी कोल्हुअन थोक मजरा पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा के कब्जे से 1 कुंतल लहन नष्ट कराते हुए 15 लीटर अवैध शराब व शराब बनाने के उपकरण बरमाद होने पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

चुनावी रंजिश में चली गोली, मौत

मरते हुए व्यक्ति का पुलिस ने दर्ज किया टेलीफोनिक बयान

अखंड भारत संदेश

गोली लगने के बाद घायल व्यक्ति

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी ने घायल व्यक्ति का मोबाइल फोन से बयान दर्ज करने का वीडियो सोशल मीडिया में रविवार को वायरल हो रहा है। दरअसल, चकपिन्हा गांव में शनिवार की देर रात चुनावी रंजिश के चलते प्रधान पति और इनायतुल्लाह के बीच मारपीट और फायरिंग हुई। जिसमे खलील बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हे घायल हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। थाना प्रभारी सराय अकिल ने खलील अहमद का बयान दर्ज करने नहीं पहुंच सके तो सिपाही ने घायल को मोबाइल से बात करा कर उसका बयान दर्ज कराया। हालांकि घायल खलील की मौत प्रयागराज स्थित अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। सराय अकिल कोतवाली के चक पिन्हा निवासी इनायतुल्लाह की प्रधान पति महफूज आलम से चुनावी रंजिश चल रही थी । इसी बात को लेकर दोनों में अक्सर विवाद होता रहता था इनायतुल्लाह ने सराय अकिल कोतवाली में शिकायत भी दर्ज कराई थी। शनिवार की सुबह प्रधान पति महफूज आलम से इनायतुल्लाह का विवाद हुआ। इसी बात को लेकर गांव में सुबह से ही तनाव की स्थिति बनी हुई थी। रात करीब 11 बजे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों से कई राउंड गोलियां चली। गोली लगने से मिनहाजपुर निवासी खलील अहमद जख्मी हो गया। गंभीर रूप से घायल खलील को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां घायल की बिगड़ती हालत को देखते हुए थाना प्रभारी सराय अकिल ने बेहद गंभीर घायल खलील को बयान टेलीफोन से ही दर्ज किया। जिसका वीडियो किसी ने मोबाईल से बना कर सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस सम्बंध मे सराय अकिल स्पेक्टर भुनेश्वर चौबे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस मामले में 8 लोगों के ऊपर गंभीर धारा मे मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जिसमें से एक महिला सात पुरुष हैं।

बैठक करती अनीता त्रिपाठी उपस्थित मंडल प्रभारी व अन्य

जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

कौशाम्बी। जिलाअध्यक्ष अनीता त्रिपाठी के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में एक संगठनात्मक दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण बैठक विधानसभा प्रभारी मंडल प्रभारी मंडल अध्यक्ष एवं विस्तारक की बैठक संपन्न हुई इस बैठक के मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र से विस्तारक प्रमुख नागेश्वर एवं साथ में उपस्थित काशी क्षेत्र के अमरनाथ की गरिमामय उपस्थिति कायम रही साथ में इस बैठक का कुशल संचालन करते हुए जिला महामंत्री संजय जयसवाल एव विधानसभा प्रभारी लालूलाल और शिवदत्त पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे नागेश्वर ने समस्त मंडल प्रभारी सहित सभी फोरम को उचित दिशा निर्देश संगठन के द्वारा जो प्राप्त था उससे अवगत कराया और कहा आप सब के कंधों पर बहुत बड़ी जवाबदारी है जिसका मूल्यांकन आप सभी को करना है निश्चित ही आने वाला समय बहुत ही संघर्षशील है लेकिन संगठन को और हम सभी को आप पर भरोसा है आप सभी लोग इसका पूर्ण रूप से निर्वहन करेंगे इसी क्रम में काशी क्षेत्र से विस्तारक प्रमुख नागेश्वर ने महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डाला और सभी मंडल प्रभारी सहित फोरम को उर्जा प्रदान कि साथ में उपस्थित जिला अध्यक्ष अनिता त्रिपाठी मुख्य अतिथि का आभार प्रकट करते हुए कहा निश्चित ही मुख्यअतिथि मैं आपको आश्वस्त करती हूं जो भी पदाधिकारी हमारे समक्ष प्रस्तुत हुए हैं या इस फोरम में है हमें सभी पर गर्व है और आपको आस्वस्थ करती हूं जो संगठन का दिशानिर्देश होगा वह निश्चित ही पूरा किया जाएगा और हर तरह से सभी संगठन काम कर रहे है शक्ति केंद्र से लेकर पन्ना प्रमुख बूथ अध्यक्ष तक सभी लगातार मेहनत कर रहे हैं और मुझे अपने सभी संगठन पदाधिकारियों पर पूर्ण रूप से भरोसा है-इसी क्रम में उपस्थित वरिष्ठ भाजपा रमेश पासी पुष्पा जिला उपाध्यक्ष आशीष केसरवानी बच्चा भाई धर्मराज मौर्य अजय पांडे युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रिंकू मौर्या इत्यादि प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चायल विधायक ने की जनसुनवाई

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने अपने केंद्रीय कार्यालय भरवारी में जनसुनवाई का कार्यक्रम किया जन सुनवाई के दौरान प्रधानमंत्री आवास नाली व सड़क निर्माण व जमीनी विवाद संबंधित 235 से भी अधिक शिकायतें प्राप्त हुई 18 शिकायतों का विधायक ने मौके पर ही निस्तारण किया शेष बची हुई शिकायतों को विधायक ने संबंधित विभाग को पत्र के माध्यम से निस्तारण हेतु निर्देशित किया शिकायतों में मुख्य रूप से सहारा सेबी दर्जनों की संख्या में कार्यकताओं ने विधायक चायल से मिलकर अपनी समस्याओं से संबंधित मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुंचाने हेतु ज्ञापन सौंपा की मुख्यमंत्री से निवेदन है कि सहारा सेबी के विवाद को समाप्त करने हेतु निवेदन किया। प्रधानमंत्री आवास हेतु भरवारी के गांधी नगर वार्ड नंबर 3 से शांति देवी ने प्रार्थना पत्र दिया, भरवारी के नेता नगर से राधिका देवी ने मोहल्ले में जल समस्या हेतु नया हैंडपंप लगवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया, बिरौली से राम सुमेरी देवी ने प्रधानमंत्री आवास हेतु प्रार्थना पत्र दिया, बिसरा के मोहल्ले वासियों ने सड़क बनवाने हेतु प्रार्थना पत्र दिया, पांडेमऊ से रामलाल ने शिकायती पत्र दिया कि गांव की ही मोहल्ले वासियों द्वारा नाली बनने में अवरोध उत्पन्न कर रहे हैं। बेबी पांडे चरवा से अपने ही सगे भाइयों द्वारा जबरन घर कब्जा करने का व चरवा थाने के सिपाही सदानंद पांडे द्वारा पैसा लेने का आरोप लगाया। देवराज मलाक भारत से मोहल्ले की नाली बनवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया सभी शिकायतों को विधायक ने गंभीरता से लेते हुए अविलंब निस्तारण हेतु संबंधित विभाग को पत्र के माध्यम से व फोन के माध्यम से निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई करते विधायक चायल उपस्थित ग्रामीण

एटीएस की जांच के बाद छोड़े गए होल्डर के सप्लायर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सिम लगे होल्डर की जांच देश की उच्च सुरक्षा एजेंसियों ने शुरू कर दी है। इसी बीच पुलिस ने प्रयागराज से पकड़े गए युवकों को छोड़ दिया है। कंपनी ने अपना 256 पेज का एग्रीमेंट भी पुलिस के आला अधिकारियों को दिखाए हैं। इसके बाद भी सवाल यही है कि आखिर डिवाइस की सच्चाई क्या इतनी है कि वह केवल कार्बन डेटा कलेक्ट के लिए ही लगाई गई थी। इस मामले में अभी भी अधिकारियों को बेंगलुरु की लैब से आने वाली रिपोर्ट का इंतजार है।

भरवारी के गौरा रोड निवासी बृजेश केसरवानी के घर में लगे होल्डर के अंदर एक बड़ी टेलीकाम कंपनी का सिम मिला था। इसके अलावा होल्डर के अंदर एरियर, ट्रांसमिशन के अलावा एसडी कार्ड आदि भी था। होल्डर के अंदर ये उच्च तकनीकी के उपकरण क्यों लगाए गए थे, इसको लेकर पुलिस की जांच एजेंसियां हैरान थी। पुलिस विभाग के आईटी एक्सपर्ट भी हैरान थे, लेकिन वह सच्चाई नहीं बता पा रहे थे कि आखिर यह क्यों लगाया गया है। इस मामले की जांच के लिए एटीएस भी आई थी। एटीएस ने भरवारी में कारोबारी बृजेश केसरवानी से मिलने के बाद इंटेलीजेंस विंग की ओर से पकड़े गए पांच युवकों से कई बार पूछताछ की इस दौरान सीईएसएल कंपनी से भी बातचीत की गई। सीईएसएल कंपनी की ओर से ग्राम उजाला योजना क्रियान्वित हो रही और वह लोगों को दस रुपये में एलईडी बल्ब का वितरण कर रही थी कौशाम्बी में कंपनी की ओर से अधिकृत जीएसएन कंपनी के वर्कर बल्ब का वितरण कर रहे और कुछ चुनिंदा लोगों को होल्डर दे रहे थे। पूछताछ के दौरान सीईएसएल कंपनी व बल्ब सप्लाई करने वाली जीएसएन कंपनी के जिम्मेदारों से बातचीत की गई। सीईएसएल कंपनी की ओर से 256 पेज का एग्रीमेंट एटीएस के अलावा एसटीएफ और पुलिस के उच्चाधिकारियों को दिया गया जिसमें दावा किया गया था कि कार्बन डेटा कलेक्ट करने के लिए यह डिवाइस लगाई गई थी। पुलिस अधिकारियों के सवाल करने पर कंपनी ने जवाब दिया कि उनसे चूक हुई कि इसका वह व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार नहीं कर पाए हैं। इसके बाद इंटेलीजेंस विंग ने प्रयागराज से पकड़े गए जीएसएन कंपनी के पांच वर्करों को छोड़ दिया है, इसके बाद भी अभी भी अधिकारियों को बेंगलुरु की लैब रिपोर्ट का इंतजार है। जांच के बाद एटीएस की वाराणसी टीम वापस जा चुकी है, लेकिन इस मामले को लेकर वह जिला पुलिस के लगातार संपर्क में है।

न्यूज झरोखा

बसपा जिलाध्यक्ष समर्थकों के साथ पहुचे बिसारा

शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद के लिए सरकार से की मांग

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के बिसारा गांव निवासी देवराज प्रजापति पुत्र रामकृपाल बीतीरात घर के बाहर सो रहा था तीन बजे के करीब अज्ञात लोगों ने देवराज की धारदार हथियार से हमला कर फरार हो गए जिससे देवराज की दर्दनाक मौत हो गयी देवराज कच्चे मकान में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था । वही सूचना पर पहुची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आरोपियों की तलाश में जुट गई है । मृतक की मौत के बाद पत्नी पूनम देवी , पुत्री बंदना व शिवानी एव दो वर्षीय पुत्र वंश का रोरोकर बुरा हाल है । इस बात की खबर बसपा जिलाध्यक्ष सन्तोष गौतम को मिली तो बसपा जिलाध्यक्ष मृतक के घर पहुचकर परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शासन से मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद के साथ आवास दिए जाने व हत्यारो की तलाश कर जल्द ही गिरफ्तारी की मांग की है।

किशोर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए दर्जनों बसपाई

कौशांबी। जनपद के उस्मानपुर गांव निवासी शिव प्रताप मौर्य का 14 वर्षीय पुत्र पुत्र सोनू मौर्य शुक्रवार को कौशांबी थाना क्षेत्र अंतर्गत यमुना नदी में नहाते वक्त डूब गया इस दौरान किशोर की मौत हो गई थी । सूचना पर पहुची पुलिस ने किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा । पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को किशोर का शव उस्मानपुर गांव पहुचा तो शोक संवेदना व्यक्त करने वालो का तांता लग गया वही नंदा के पुरवा स्थित घाट पर किशोर का अंतिम संस्कार किया गया जिसमें बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार गौतम ,हरिलाल बौद्ध चायल विधानसभा क्षेत्र के बसपा के भावी प्रत्याशी अतुल द्विवेदी , राजकुमार गौतम , विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर एस के गौतम , सेक्टर अध्यक्ष सिपाही लाल गौतम , ग्राम प्रधान रंजीत गौतम , मनीष गौतम , दिनेश पांडे , राहुल मिश्रा , मंजेश गौतम , अभिषेक यादव , डॉक्टर यू एस कुशवाहा सहित बसपा के दर्जनों पदाधिकारी , कार्यकर्ता व ग्रामीण अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

मेला देख कर लौट रहे अधेड़ की सड़क हादसे में मौत

कल्यानपुर कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के कछुआ मोड़ के पास दशहरा का मेला देखकर लौट रहे एक अधेड़ को किसी अज्ञात वाहन से जोर दार टक्कर मार दी जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई है घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार वालो का रो रोकर बुरा हाल है मौके पर पहुँची पुलिस ने युवक की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बसवानपुर बम्हरौली निवासी सुभाष चंद्र उम्र 53 वर्ष पुत्र सरजू प्रसाद पाल 16 अक्टूबर को दारा नगर का दशहरा देखने गए हुए थे दशहरा देखने के बाद 7:00 बजे शाम को बाइक से वह वापस अपने गांव लौट रहे थे जैसे ही सैनी थाना क्षेत्र के कछुआ मोड़ के पास वह पहुंचे कि किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और मौके पर उनकी मृत्यु हो गई है शव को सैनी पुलिस ने अपने कब्जे में ले कर पोस्ट मार्टम को भेज दिए।परिवार में रो रो कर कोहराम मच गया है।

प्रदेश में सिंचाई क्षमता के विस्तार से कृषि उत्पादकता में हो रही वृद्धि

खाद्यान्नों के उत्पादन में प्रदेश बन रहा है नम्बर वन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश का कृषि के क्षेत्र में देश में महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश सरकार की कृषि एवं कृषक हितैषी नीतियों एवं योजनाओ का यह सुपरिणाम है कि गन्ना, चीनी एवं एथेनॉल के उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में लगातार चौथी बार प्रथम स्थान पर है। खाद्यान्न, गेहूँ, आलू, हरी मटर, आम, आँवला तथा दुग्ध उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। कृषि एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है। सही समय पर बुआई, निराई, खाद देना, सिंचाई आदि इसके महत्वपूर्ण आगत हैं। इनमें भी सिंचाई का महत्व सर्वोपरि है।

हमारे देश में कृषि को मानसून का जुआ कहा जाता है। जिस वर्ष मानसून की वर्षा अच्छी होती है, उस वर्ष खेती भी अच्छी होती है। जबकि मानसून के कमजोर होने से कृषि एवं कृषक दोनों दबाव में आ जाते हैं क्योंकि वर्षा के साथ फसलों की सिंचाई के लिए भरपूर पानी उपलब्ध नहीं हो पाता है। उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा कृषि एवं कृषकों की सिंचाई की इसी समस्या के समाधान हेतु विगत साढ़े चार वर्षों में अनेक कार्य किये गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप जहां एक ओर प्रदेश के सिंचित क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है वहीं दूसरी ओर खाद्यानों की उत्पादकता, पैदावार में बढ़ोत्तरी के माध्यम से कृषकों की आय में भी वृद्धि हो रही है।उक्त जानकारी जिलाधिकारी कौशाम्बी ने दी है। उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की वर्षों से लम्बित परियोजनाएं पूर्ण करायी गयी हैं। इनमें 46 वर्षों से लंबित बाण सागर परियोजना को पूर्ण कराकर 15 जुलाई 2018 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। इस परियोजना से मिजार्पुर एवं प्रयागराज जनपदों की 150132 हेक्टेअर कृषि भूमि सिंचित हो रही है तथा इससे 01 लाख 70 हजार से भी ज्यादा किसान लाभान्वित हो रहे हैं। बाण सागर परियोजना के पूर्ण होने से कृषि के अन्तर्गत सिंचित भूमि में वृद्धि होने से इन जनपदों में अब फसल क्षेत्र में वृद्धि, फसल उत्पादकता में बढ़ोत्तरी होने से कृषकों को आय वृद्धि में मदद मिल रही है। इसी के साथ ही पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल से ही लम्बित पहाड़ी बांध, बण्डई बांध, जमरार बांध, मौदहा बांध, पहुॅज बांध, लहचुरा बांध, गुण्टा बांध, रसिन बांध परियोजनाएं एवं जाखलौन पम्प नहर प्रणाली तथा सोलर पावर प्लांट की पुनर्स्थापना की लगभग 13 परियोजनाएं वर्तमान सरकार के साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में पूर्ण की गयी हैं। हर खेत को पानी, के लक्ष्य को पूरा करने हेतु पूर्ण की गई इन परियोजनाओं से प्रदेश में 3.77 लाख हेक्टेअर सिंचन क्षमता में वृद्धि हुई है एवं संबंधित क्षेत्रों में कृषि के साथ-साथ समग्र विकास को भी गति मिल रही है।

प्रदेश का बुन्देलखण्ड क्षेत्र सिंचाई एवं कृषि में बाकी प्रदेश से अपेक्षाकृत पिछड़ा रहा है। परन्तु प्रदेश की वर्तमान सरकार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुन्देलखण्ड के विकास का खाका खींचा है एवं उसे रफ्तार देने के लिए विभिन्न परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। बुंदेलखण्ड में कृषि एवं कृषकों की समृद्धि सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा बुंदेलखण्ड क्षेत्र में 19428 खेत तालाबों का निर्माण कराया गया है। यह खेत तालाब वर्षा जल संचयन के माध्यम से बुंदेलखण्ड के भूजल स्तर में भी सुधार आया है। साथ ही यह कृषकों की सिंचाई की समस्या को भी दूर करने में सहायक हो रहे हैं। बुंदेलखण्ड क्षेत्र के अंतर्गत ही प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा सिंचाई, विद्युत आदि की 12 बड़ी परियोजनाएं पूर्ण करायी गयी है। इन परियोजनाओं से बुंदेलखण्ड क्षेत्र में 73345 हेक्टेयर सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है तथा इसमें 5.92 मेगावाट सौर विद्युत भी उत्पादित हो रही है। इससे 65062 किसान लाभान्वित हुए हैं। सिंचाई क्षमता में वृद्धि तथा सौर ऊर्जा के उत्पादन से बुंदेलखण्ड भी शेष उत्तर प्रदेश के विकास से कदमताल मिलाकर समूचे प्रदेश की समृद्धि में अपना योगदान दे रहा है। बुंदेलखण्ड क्षेत्र में ही जल संसाधनों के विकास व उचित एवं पर्यावरण अनुकूल दोहन की क्षमता वृद्धि हेतु इजराइल के साथ इण्डो-इजराइल वाटर प्रोजेक्ट का एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है।

प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 में प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वृद्धि से सम्बन्धित 12 परियोजनाओं को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के अन्तर्गत अब तक 12.61 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। सरयू नहर परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश के 09 जनपदों- बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर व महराजगंज में सिंचाई सुविधाओं के सृजन हेतु 1982 में स्वीकृत हुई थी। वर्ष 2012 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया था। इसके पूर्ण होने पर 14.04 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित होगी तथा 29.74 लाख किसान इससे लाभान्वित होंगे। प्रदेश में बनी नहरों की क्षमता का पूरा उपयोग हो सके, इसके लिए समय-समय पर नहरों की सफाई, सिल्ट निकासी जरूरी है। प्रदेश की वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 01 लाख 49 हजार 802 किमी नहरों की सिल्ट सफाई का कार्य कराया जा चुका है। वर्ष 2020-21 में ही 46000 किलोमीटर सिल्ट सफाई का कार्य कराया गया है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के निराकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2020-21 में 15100 किलोमीटर की लम्बाई में ड्रेनों की सफाई कराकर संबंधित क्षेत्रों को जलभराव से मुक्त कराया गया है।

प्रदेश के कई हिस्सों में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ से फसलों व कृषि को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 523 तटबन्धों को सुरक्षित करके बाढ़ से बचाव हेतु ड्रेजिंग कार्य पूर्ण कराए गए है। विगत साढ़े चार वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बाढ़ से बचाव, सुरक्षा हेतु 688 परियोजनाएं पूर्ण की गयी हैं। वर्ष 2021-22 में 230 परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य है जिसके सापेक्ष 139 बाढ़ सुरक्षा की परियोजनाएं पूर्ण चुकी हैं। इन परियोजनाओं से बाढ़ से प्रतिवर्ष होने वाली व्यापक जन-धन की हानि तथा खेती व पशुओं को होने वाला नुकसान कम हुआ है। इनके अतिरिक्त बाढ़ नियंत्रण व सुरक्षा की 184 नवीन परियोजनाओं के सापेक्ष 734.48 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है व इनका निर्माण प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 25050 पुल-पुलियों का जीर्णोद्धार, पुनर्निर्माण व नवनिर्माण का अभियान भी चलाया जा रहा है। जिस पर 300 करोड़ रूपए की लागत आने की संभावना है। यह कार्य भी अपने अंतिम चरण में है। प्रदेश के 16 जनपदों में उत्तर प्रदेश वाटर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना फेज-2 के अन्तर्गत सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु भी सरकार कार्य कर रही है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर प्रदेश के 16 जनपदों में 1.62 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित होगी तथा इससे 7.10 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इस परियोजना से लाभान्वित होने वाले जनपदों में बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, ललितपुर, एटा, फिरोजाबाद, कासगंज, मैनपुरी, फरूर्खाबाद, इटावा, कन्नौज, औरैया, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फतेहपुर एवं कौशाम्बी है।

प्रदेश में नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित नवीन राजकीय नलकूप निर्माण परियोजना के अन्तर्गत 633.7882 करोड़ रूपए से 1960 नवीन राजकीय नलकूपों का निर्माण कराया गया है। जिससे 98000 हेक्टेयर सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है तथा 96089 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अबतक निःशुल्क बोरिंग/उथले नलकूप योजना के तहत कुल 424627 कार्य पूर्ण कराए जा चुके है। लगभग 4032 गहरे नलकूप तथा 13299 मध्यम गहरे नलकूपों का निर्माण पूरा कराया गया है। इसी प्रकार 729 सामूहिक नलकूप, 1261 ब्लास्ट कूप तथा 682 तालाबों व 977 चेकडैम के निर्माण द्वारा 955326 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि में सिंचन क्षमता का सृजन किया जा चुका है। प्रदेश में पी0एम0 कुसुम योजना के अन्तर्गत 20177 सोलर पम्पों की स्थापना की गयी है। इससे कृषकों के विद्युत बिलों को कम करने में सहायता मिली है तथा विद्युत की मांग में भी कमी आयी है। प्रदेश में पर ड्राप, मोर क्राप (प्रतिबूंद अधिक फसल) की संभावनाओं की वृद्धि हेतु माइक्रो इरिगेशन के अन्तर्गत स्प्रिंक्लर सिंचाई को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जो जलसंचयन व गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को प्रेरित कर रही है। जब हर खेत को पानी मिलेगा तब हमारी कृषि व हमारे अन्नदाता दोनों की समृद्धि सुनिश्चित है। प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशन मे प्रदेश की कृषि के उन्नयन व कृषकों की खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वृद्धि के उपर्युक्त उल्लिखित कार्य प्रदेश को कृषि के क्षेत्र में निरन्तर ऊँचाई पर ले जा रहे हैं।

डेंगू से किशोर की गई जान

कौशाम्बी। मूरतगंज क्षेत्र के चिकवन का पूरा गांव में रहने वाले एक किशोर की शनिवार सुबह डेंगू से मौत हो गई। मृतक के भाई सहित गांव के तमाम लोग बीमार हैं। उधर, स्वास्थ्य विभाग की टीम नवरात्रि से पहले एक दिवसीय कैंप लगाने के बाद दोबारा यहां झांकने तक नहीं गई। चिकवन का पूरा गांव निवासी सोनू कुमार पुत्र रामप्रसाद 16 व उसके जुड़वा भाई मोनू की तबीयत करीब दस दिनों से खराब चल रही थी। सोनू की हालत गंभीर होने पर उसे प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं चेकअप के बाद डॉक्टरों ने डेंगू की पुष्टि की थी। शनिवार सुबह सोनू की सांसें थम गईं। मोनू अभी भी कसिया गांव स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है। गांव के गयादीन, रीना देवी, लाली, लक्ष्मी देवी, फूलचंद्र, फूलकली, सुभाष, सुमन, रामचंद्र, बच्चीलाल, चीनीलाल, रवि कुमार, गुलाब व कमलेश सहित तमाम लोग अभी भी बीमार हैं। इन्हें लगभग दो हफ्ते से बीमारी ने गिरफ्त में ले रखा है, हालांकि बीमारों में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है। खैर, सोनू के अलावा बाकी किसी की डेंगू की जांच भी नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि नवरात्रि के पहले मूरतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से चिकित्सकों की टीम आई थी। डॉक्टर नीली-पीली दवाएं देकर चले गए। जिससे तनिक भी आराम नहीं हुआ। डॉक्टर उसके बाद झांकने भी नहीं आए। ग्रामीण ने शनिवार को दबाव बनाया तब जाकर नगर पालिका परिषद भरवारी के कर्मचारी गांव पहुंचे और चूने का छिड़काव किया। फागिंग, ब्लीचिंग इसके बाद भी नहीं कराई गई।

अमरुद की फसल को बचाए रखना विभाग की प्राथमिकता : पंकज कुमार शुक्ला

कार्यक्रम में शामिल अधिकारी व ग्रामीण

अखंड भारत संदेश

चायल कौशाम्बी। विकासखंड चायल के ग्राम पहाड़पुर सुधवर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप निदेशक उद्यान प्रयागराज मंडल प्रयागराज पंकज कुमार शुक्ला द्वारा अमरुद उत्पादकों को संबोधित करते हुए कहा कि अमरुद को उसकी पहचान के लिए जाना जाने वाला यह अमरूद फल पट्टी क्षेत्र आज धीरे धीरे समाप्त होने की दिशा में बढ़ रहा है विभाग के अधिकारियों तथा किसानों से उन्होंने आवाहन किया कि इलाहाबादी विश्व विख्यात अमरूद की धरोहर को बचाए रखना विभाग की तथा अमरूद किसानों की प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में और औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरो बाग के प्रशिक्षण प्रभारी वीके सिंह द्वारा अमरूद बहार नियंत्रण तथा अमरूद में लगने वाले प्रमुख कीट फल मक्खी के बचाव की जानकारी देते हुए कहा कि फेरोमोन ट्रैप फल मक्खी का नियंत्रण करने में कारगर है एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में लगभग 15 फेरोमोन ट्रैप लगाकर फल मक्खी का नियंत्रण किया जा सकता है इस ट्रैप के लगाने से नर कीट आकर फस जाते हैं और मादा के साथ निषेचन ना होने के कारण इनकी जनसंख्या पर नियंत्रण हो जाता है प्रसार निदेशालय कृषि विश्वविद्यालय नैनी के वैज्ञानिक डॉ डीडी मिश्रा द्वारा अमरूद की प्रमुख प्रजातियों की पहचान कराते हुए नए बाग रोपण तथा कैनोपी प्रबंधन की जानकारी दी गई डाक्टर डीडी मिश्रा द्वारा बताया गया कि नए पौधों को लगाने के बाद उनके बगल से निकलने वाले प्रारोह को नियमित अंतराल पर काटते रहना चाहिए। कृषि विश्वविद्यालय नैनी के वैज्ञानिक डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह द्वारा पुराने अन उत्पादक अमरूद के बागों को जीर्णोद्धार करके नया जीवन देने की तकनीक की जानकारी दी गई, कृषि विज्ञान केंद्र कौशांबी के उद्यान विशेषज्ञ डॉक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा बताया गया कि अमरूद को नया फल लेने के लिए टहनियों को मोड़ कर जमीन की तरफ झुका दे तथा उनसे निकलने वाले नए तने में अधिक संख्या पर फल व फूल आएंगे इस वेंडिंग तकनीक के विस्तार से चर्चा करते हुए किसानों को जानकारी दी गई अमरूद उत्पादक किसानों के प्रतिनिधि मानसिंह एवं सुरेश कुमार द्वारा बताया गया कि वर्तमान में फल मक्खी कीड़ों के द्वारा फलों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है इसका निदान किसान के स्तर पर कर पाना असंभव है जिस पर उप निदेशक उद्यान द्वारा किसानों को आश्वासन दिया गया कि आने वाले समय पर अमरूद के पोषण प्रबंधन नए बाग की स्थापना तथा फल मक्खी नियंत्रण से संबंधित कार्य के कुछ प्रदर्शनों को किसानों के खेत पर लगवाए जाएंगे इसके लिए शासन स्तर पर भी इसकी मांग की जाएगी। उपरोक्त के अलावा उद्यान विभाग से अन्य अधिकारीगण एवं विभागीय कर्मचारियों के अलावा अनेकों अमरूद उत्पादक कृषकों द्वारा भाग लिया गया ।इस किसान प्रशिक्षण में राजेश कुमार,मान सिंह, बच्चा राम,सुनील कुमार,अशोक कुमार,जोगेंद्र सिंह,आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहो।

सम्पादकीय

बीएसएफ की सीमा

राज्य सरकारों के असंतोष या उनकी असहमति का सार्वजनिक रूप से जाहिर होना ऐसे संभावित टकराव की जमीन को मजबूत करता है। जाहिर है, इस प्रकरण में ऐसा बहुत कुछ हो चुका है जो नहीं होना चाहिए था और जो थोड़ी सी सावधानी से टाला जा सकता था। केंद्र सरकार ने अपने एक हालिया फैसले के जरिए पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा से सटे राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल और पंजाब- में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह फैसला हाल के दिनों में सीमा पार गतिविधियों में हुए अप्रत्याशित इजाफे और ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल से पैदा हुए विशेष खतरों के मद्देनजर किया गया है। मगर कुछ राज्य सरकारें इसे अपने अधिकार क्षेत्र में अनावश्यक दखल के रूप में ले रही हैं। पश्चिम बंगाल और पंजाब की सरकारों ने इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। निश्चित रूप से यह विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। देश की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर हमारी सरकारें इस तरह एक-दूसरे से सार्वजनिक तौर पर उलझती दिखें तो उसका संदेश अच्छा नहीं जाता है। लेकिन इसका हल एक-दूसरे को ऐसे मसले पर राजनीति न करने का सार्वजनिक उपदेश नहीं हो सकता। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल ने हमारी सुरक्षा एजेंसियों को विशेष तौर पर चिंतित किया है। इस विशेष चुनौती से निपटने के लिए उनके अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को थोड़ा विस्तृत करने की जरूरत जायज तौर पर महसूस की गई हो, यह बिल्कुल संभव है।

लेकिन यह समझना मुश्किल है कि इसके बाद नोटिफिकेशन जारी करने से पहले संबंधित राज्यों से विचार-विमर्श करके उन्हें विश्वास में लेने की प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाई गई। यह नौबत क्यों आई कि फैसला लागू होने की घोषणा के बाद विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्री इसे देश के संघात्मक ढांचे पर हमला बताने लगे? उनका पक्ष पहले सुन लिया जाता तो यह विरोध सार्वजनिक नहीं होता। तब यह भी संभव था कि उनकी चिंताएं दूर करने की कोई राह निकल आती। आखिर कानून व्यवस्था का सवाल राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आता है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर तक का दायरा किसी केंद्रीय एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में देने से राज्य और केंद्र की एजेंसियों के बीच टकराव की नौबत आने की आशंका बढ़ जाती है। हो सकता है बीएसएफ की किसी कार्रवाई से कानून व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो जाए। राज्य सरकारों के असंतोष या उनकी असहमति का सार्वजनिक रूप से जाहिर होना ऐसे संभावित टकराव की जमीन को मजबूत करता है। जाहिर है, इस प्रकरण में ऐसा बहुत कुछ हो चुका है जो नहीं होना चाहिए था और जो थोड़ी सी सावधानी से टाला जा सकता था। फिर भी अभी बहुत देर नहीं हुई है। सार्वजनिक बयानबाजी से मामला सुलझने के बजाय और उलझता जाएगा। बेहतर होगा कि संबंधित राज्य सरकारों से अविलंब बातचीत शुरू करके उनकी शिकायतों पर गौर किया जाए। ऐसे संवेदनशील मसलों पर में कोई भी कदम तभी सफल होगा, जब वह पूरे तालमेल के साथ उठाया जाए।

नोबेल पुरस्कार की दौड़ में पिछड़ता भारत

राकेश अचल

एक तरह से ये पुरस्कार भी राजनीति का शिकार है। चीन ने तो अपने विरोध भी दर्ज कराये व धमकियां भी दीं, लेकिन भारत ने ऐसा कुछ नहीं किया क्योंकि भारत तो भारत है चीन नहीं। पाकिस्तान का तो इस नोबेल सूची में नाम ही नजर नहीं आता। ब्राजील और बुल्गारिया का कम से कम खाता तो खुला है- एक-एक नोबेल पुरस्कार के जरिये। भारत को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या सचमुच नोबेल के लिए निर्धारित क्षेत्रों में और बेहतर काम हो सकता है। स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की याद में वर्ष 1901 में शुरू किये गये नोबेल पुरस्कारों की दौड़ में भारत लगातार पिछड़ रहा है। भारत के हिस्से में अक्सर ये पुरस्कार क्यों नहीं आते? भौतिकी, रसायनशास्त्र, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में हर साल दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए छोटे-छोटे देशों के नाम तो आ जाते हैं लेकिन भारत जैसे 130 करोड़ की आबादी वाले भारत के हिस्से में ये नोबेल पुरस्कार कम ही आते हैं या आते ही नहीं हैं। नोबेल पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति-पत्र के साथ 14 लाख डालर की राशि प्रदान की जाती है। विश्व के सैकड़ों वैज्ञानिक, साहित्यकार और समाजसेवी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को अब तक हासिल कर चुके हैं, लेकिन बीते 120 वर्षों में भारत के हिस्से में नोबेल पुरस्कार केवल 4 ही आये हैं।

भारत में जन्मे 4 और लोगों ने भी ये पुरस्कार हासिल किये और भारत ने इसी बात पर खुशियां मनाईं। भारत में जन्मे 2 विदेशियों और भारत में शरणार्थी बनकर आये एक तिब्बती को भी नोबेल के नाम पर यह पुरस्कार हासिल हुआ। भारत को नोबेल हासिल करने के लिए वर्षों इन्तजार करना पड़ता है। भारत को अंतिम नोबेल पुरस्कार 2014 में शांति के लिए कैलाश सत्यार्थी लेकर आये थे। उन्हें यह पुरस्कार ईश्वर की कृपा से मिला या उनके अपने नसीब की वजह से, यह कहना कठिन है क्योंकि उन्हें ये पुरस्कार मिलने से पहले भारत के ही अधिकांश लोग उन्हें ढंग से जानते भी नहीं थे। सत्यार्थी बच्चों और युवाओं के दमन के विरुद्ध तथा सभी बच्चों के शिक्षा के अधिकार के लिए सतत संघर्ष करते आये हैं। भारत के लिए पहला नोबेल गुरु रवीन्द्रनाथ टैगौर ने साहित्य के लिए 1913 में हासिल किया था। इसके बाद 1930 में सीवी रमन भौतिक शास्त्र के लिए और 1998 में अमर्त्य सेन अर्थशास्त्र के लिए हासिल कर लाये थे। मदर टेरेसा को भी नोबेल मिला।

प्रश्न यह है कि भारत के हिस्से में ये नोबेल पुरस्कार कम क्यों आते हैं? क्या भारत में भौतिकी, रसायन और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम नहीं होता या फिर भारत के नायक साहित्य और शांति के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम नहीं करते? इन सवालों के जवाब सरकारों से नहीं पूछे जा सकते क्योंकि ये सभी काम वैयक्तिक श्रेणी के हैं। सरकारें वैज्ञानिकों को साधन, सुविधाएं और वातावरण उपलब्ध करा सकतीं हैं, खुद शोध नहीं कर सकतीं। भारतवंशी हरगोविंद खुराना (1968), सुब्रह्मनियम चंद्रशेखर (1983), वैंकट रमन कृष्ण (2009) और अभिजीत बनर्जी (2019) जब नोबेल पुरस्कार के लिए चुने गए तो हमने खुशियां मनाईं। भारत में शरणार्थी बनकर रहने वाले तिब्बतियों के प्रमुख धर्मगुरु दलाई लामा को जब 1989 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिला तब भी हमने उसे अपनी ही उपलब्धि मानी। भारत में जन्मे रोनाल्ड रास (1902) और रुडयार्ड किपलिंग (1907) ने नोबेल जीते लेकिन वे दोनों थे अंग्रेज सो उनकी उपलब्धि हमारी नहीं मानी गई।

खुराना, शेखर, कृष्णा और बनर्जी यदि हिंदुस्तान से बाहर न जाते तो मुमकिन है कि उन्हें नोबेल पुरस्कार हासिल न होते। हर साल जब नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होती है तो भारत के हिस्से में नोबेल पुरस्कार नहीं बल्कि निराशा आती है। क्यों आती है इसका जवाब किसी के पास नहीं है। इस साल भी भारत निराश ही है। या तो भारतीय इस स्तर का कोई काम नहीं करते जो नोबेल के लायक समझा जाये या फिर भारत के साथ पक्षपात किया जाता है। मेरे ख्याल से दोनों ही बातें सही हो सकतीं हैं और दोनों ही निराधार भी। सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। भारत केवल नोबेल पुरस्कार हासिल करने के मामले में ही यदि पीछे होता तो हम मान भी लेते लेकिन ओलम्पिक में भी भारत तमाम छोटे देशों के मामले में पीछे हैं। पुरस्कार निजी उपलब्धियों से जुड़े होते हैं। हम भौतिकी, रसायन, चिकित्सा और साहित्य तथा शांति के लिए कितना काम करते हैं, ये नोबेल पुरस्कारों की फेहरिस्त बताती है। हम खेलों के क्षेत्र में कितना काम करते हैं ये ओलम्पिक खेलों की पदक तालिका से आप जान सकते हैं। किसी से कुछ छिपा नहीं है। छिपाया जा भी नहीं सकता। दुनिया में नोबेल पुरस्कारों के अलावा बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जिनके सालाना इंडेक्स बनाये जाते हैं, लेकिन हर इंडेक्स में भारत का नाम खोजना पड़ता है। निजी उपलब्धियों के क्षेत्रों को छोड़ दें तो भी भारत खुशहाली, स्वास्थ्य, शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय इंडेक्सों में भी बहुत पीछे खड़ा नजर आता है। इस बारे में पाठक कह सकते हैं कि लोगों को भारत की उपलब्धियां नहीं दिखाई देतीं, पर असलियत यह है कि सबको सब दिखाई दे रहा है। पूरे देश और दुनिया को भी सब दिखाई देता है। जब मानदंडों पर हम भारत को खड़ा कर देखने की कोशिश करते हैं तो निश्चित तौर पर हमें निराशा होती है, क्योंकि इस निराशा की जड़ में लोग नहीं सरकारें होतीं हैं और आज के दौर में किसी भी सरकार से पंगा लेना खतरे से खाली नहीं है। पिछले 120 सालों में नोबेल पुरस्कार 923 लोगों को मिल चुके हैं। इनमें 48 महिलाएं भी शामिल हैं। ये पुरस्कार हासिल करने वाले व्यक्ति और संस्थाएं दोनों हैं। अब तक 24 संगठनों को भी नोबेल पुरस्कार हासिल हुआ है।

अमेरिका ने अब तक 375, इंग्लैंड ने 131, जर्मनी ने 108, फ्रांस ने 69, स्वीडन ने 32, रूस ने 31, जापान ने 27 और कनाडा ने 26 नोबेल पुरस्कार जीते हैं। नोबेल जीतना या न जीतना किसी के बूते की बात है या नहीं, इस पर बहस हो सकती है। भारत की तरह ही चीन नोबेल हासिल करने के मामले में फिसड्डी रहा है। चीन को अब तक केवल 8 नोबेल पुरस्कार ही मिले हैं। चीन ने तो अपने लोगों के लिए इस पुरस्कार पर दावा भी किया। एक तरह से ये पुरस्कार भी राजनीति का शिकार हैं। चीन ने तो अपने विरोध भी दर्ज कराये व धमकियां भी दीं, लेकिन भारत ने ऐसा कुछ नहीं किया क्योंकि भारत तो भारत है चीन नहीं। पाकिस्तान का तो इस नोबेल सूची में नाम ही नजर नहीं आता। ब्राजील और बुल्गारिया का कम से कम खाता तो खुला है- एक-एक नोबेल पुरस्कार के जरिये। भारत को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या सचमुच नोबेल के लिए निर्धारित क्षेत्रों में और बेहतर काम हो सकता है। यह काम केवल नोबेल के लिए नहीं वरन देश और दुनिया के लिए होना चाहिए। आखिर हमें विश्व गुरु भी तो बनना है। इसके लिए आप किसी एक प्रधानमंत्री या उसकी सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। नेहरू या मोदी को तो बिलकुल ही नहीं। ये तो अंग्रेजों के ामाने से ही गड़बड़ी चल रही है, वरना 120 साल में भारत कम से कम 20 नोबेल तो प्राप्त कर ही सकता था।

नशाखोरी, अपराध, कारोबार, सरकार और सियासत

डॉ. लखन चौधरी

नशाखोरी को लेकर सरकारी स्तर पर हो रही इस अनदेखी की कीमत इसलिए बहुत भारी पड़ सकती है, क्योंकि इस दलदल में अब हमारी युवा पीढ़ी फंस-धंस चुकी है। नशाखोरी, अपराध, कारोबार, सरकार और सियासत के मुद्दे उठते रहेंगे, लेकिन युवा पीढ़ी यदि एक बार गलत रास्ते पर चलने लग गई तो इसके गम्भीर परिणाम दशकों तक राष्ट्र को भुगतने पड़ेंगे। बॉलीवुड ड्रग्स कनेक्शन वैसे तो नई खबर नहीं है, लेकिन क्रूज-ड्रग्स पार्टी ने नशाखोरी और अपराध के कारोबार की चर्चाओं को एक बार फिर सुखिर्यों में लाकर बड़ा विमर्श जरूर छेड़ दिया है। हालांकि यह मसला सरकारों के लिए इस वक्त भी बड़ा मुद्दा नहीं है, और पहले भी कोई गंभीर मसला नहीं रहा है। दरअसल नशाखोरी और अपराध का कारोबार दुनियाभर में इतना बड़ा है कि जो भी इसमें पड़ता है, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है। सरकारों को भी इसके संबंधों ने नुकसान ही पहुंचाया है, लिहाजा सरकारें भी इसमें सीधे तौर पर कूदने के बजाय दूर रहकर लीपापोती में ही अपनी भलाई समझती हैं।

कहा जाए कि नशाखोरी एवं अपराध के कारोबार सरकारी संरक्षण में ही फलते-फूलते रहे हैं, तो गलत नहीं होगा। बीड़ी, सिगरेट, तम्बाखू, गुड़ाखू, गुटखा, गांजा, भांग एवं शराब जैसे नशे एवं इनके कारोबार अब सरकार एवं समाज को उद्वेलित एवं आंदोलित नहीं करते हैं। अन्यथा छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना की सीमावर्ती इलाकों में आये दिन सैकड़ों किलोग्राम गांजे की बड़ी-बड़ी खेपें पकड़ाती रहती हैं। पूरे भारत का गांजा का सबसे बड़ा केन्द्र यही है। यहीं से पूरे देशभर में इसकी आपूर्ति की जाती है। बहरहाल, मुंबई क्रूज-ड्रग्स पार्टी के नशाखोरी के अतिरिक्त अन्य कई कनेक्शन एवं मायने भी हैं। यह एक अन्तरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य का भी मसला है, जिसके पीछे दुनिया के बड़े-बड़े ड्रग्स आपराधिक तार जुड़े हुए हैं। यहां ब्राउन शुगर, डाएजॉन, चरस, हेराइन, कोकीन, हाइड्रोकोडोन, केटामाइन, एमडीएमए जैसे महंगे ड्रग्स की खपत, उपभोग एवं खरीदी-बिक्री होती है, जो सामान्य जन के बस के बात नहीं है। बड़े पैसेवाले, नामचीन लोग इसके ग्राहक एवं उपभोक्ता हैं। इनका रसूख, दखल इतना ऊपर होता है कि राज्य सरकारें इनका बाल बांका नहीं कर सकते हैं। लाखों करोड़ के कारोबारी मसले की वजह से इसमें सरकारें भी चुप्पी साधने में ही भलाई समझती हैं।

इस क्रूज-ड्रग्स पार्टी की सुखिर्यों में आने के बाद कहा जा रहा है कि भारत में नशाखोरी की आदत या लत दुनिया की तुलना में तीन-चार गुनी अधिक है। एनसीबी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में नशाखोरी की लत दुनिया की 0.7 फीसदी की तुलना में तीन गुनी अधिक यानि 2.06 फीसदी है। यही इस विमर्श की चिंता का केन्द्र बिंदु है। इससे भी अधिक भयानक हकीकत यह है कि नशाखोरी और अपराध के इस चक्रव्यूह में भारत की तरूणाई फंस चुकी है। मुंबई का गेटवे ऑफ इंडिया नशाखोरी और अपराध का गढ़ बनता जा रहा है। सरकारों के लिए यह चिंता की बात होनी चाहिए। खबरों के अनुसार, देश में नशाखोरी एवं नशीली वस्तुओं, दवाओं की खपत एवं मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके पैडलर्स, आपूर्तिकर्ता एवं ग्राहक बड़े-बड़े लोग हैं। हजारों करोड़ों का कारोबार है। लाखों लोग इसमें लगे हैं, और करोड़ों लोगों की जिंदगी इससे तबाह हो रही है। मुंबई का बॉलीवुड ड्रग्स कारोबार का चूंकि प्रीमियम मार्केट माना जाता है, जहां युवा अपनी किस्मत आजमाने आते हैं। इसलिए दुनियाभर की नशीली वस्तुओं के कारोबारियों की नजरें इसी मुंबई की गलियों एवं बाजारों पर अपना फोकस करती हैं। भारत में बढ़ती धूम्रपान एवं नशाखोरी की आदत वास्तव में चिंता का विषय होनी चाहिए। इस के कारण अपराध का ग्राफ बढ़ा है। इससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेहरा बदरंग हो रहा है। नशाखोरी से जहां एक ओर शारीरिक, आर्थिक एवं मानसिक सेहत और स्वास्थ्य खराब हो रहा है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सौहार्द्र, समरसता और समन्वय बिगड़ता जा रहा है। आज स्थिति यह है कि दूरदराज के गांवों तक किराना दुकानों, पान ठेलों, होटलों, ढाबों तक में धड़ल्ले से बेरोकटोक और बिना किसी डर-भय के धूम्रपान एवं नशे के सारे सामानों की आसान उपलब्धता है, जिसमें पुलिस एवं सरकारों की बड़ी भूमिका है। पिछले दिनों उड़ता पंजाब फिल्म ने पंजाब की इसी तरह की विकट समस्या से झकझोरते हुए आगाह किया था, लेकिन यहां बहुत जल्द भूलने की आदत है। नशाखोरी सामाजिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से हानिकारक होने के बावजूद आर्थिक एवं कारोबारी दृष्टि से लाभदायक होती है, क्योंकि इससे सरकारों को भारी मात्रा में कर-राजस्व की प्राप्ति होती है। इसलिए सरकारें हमेशा इनके कारण पनपने वाले अपराधों की अनदेखी करते हैं। सरकार भूल जाती है कि इससे जितनी कर-राजस्व की प्राप्ति होती है, उससे कहीं अधिक इसके कारण उपजी बुराइयों, अपराधों एवं दुर्घटनाओं के राहत, बचाव एवं सुरक्षा के लिए खर्च करने पड़ते हैं। याद रहे, नशाखोरी को लेकर सरकारी स्तर पर हो रही इस अनदेखी की कीमत इसलिए बहुत भारी पड़ सकती है, क्योंकि इस दलदल में अब हमारी युवा पीढ़ी फंस-धंस चुकी है। नशाखोरी, अपराध, कारोबार, सरकार और सियासत के मुद्दे उठते रहेंगे, लेकिन युवा पीढ़ी यदि एक बार गलत रास्ते पर चलने लग गई तो इसके गम्भीर परिणाम दशकों तक राष्ट्र को भुगतने पड़ेंगे।

उत्तर प्रदेश की राजनीतिक दिशा मोड़तीं प्रियंका गांधी

रतिभान त्रिपाठी

आगामी चुनाव से पहले वक्त कम बचा है कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर कांग्रेस महासचिव बहुत मजबूत कर पाएं लेकिन बेपटरी हो चुकी पार्टी को पटरी पर लाने में फिलहाल वह सफल तो दिख रही हैं और उनकी यह सफलता भाजपा को सांसत में डालने, साथ ही सपा-बसपा को दहलाने के लिए काफी मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश राजनीतिक दिशा बदलती हुई दिख रही है। तात्कालिक रूप से ही सही, कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की पिछले एक पखवाड़े की उत्तर प्रदेश में मौजूदगी से यह संकेत मिल रहा है कि कांग्रेस कुछ चमत्कार कर सकती है। इन दिनों उसकी आवाज न केवल सुनी जा रही है, वरन गुनी भी जा रही है। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक फलक पर वह एक मजबूत विपक्ष की तरह उभरी है। उत्तर प्रदेश में उन गली-कूचों में जहां कांग्रेस का कोई नामलेवा नहीं रह गया था, वहां लोगों की जुबान पर प्रियंका गांधी का नाम है। परिणाम यह है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेताओं के बोल-बचन और उनकी भाव-भंगिमाओं से घबराहट भी झलक रही है। कांग्रेस की मजबूत राजनीतिक पहल इन दोनों पाटिर्यों का राजनीतिक डिब्बा फौरी तौर पर भले गोल न कर पाए लेकिन देर सबेर इनकी जुबान पर अपने लिए कड़वाहट जरूर ला सकती है। इसलिए कि फिलहाल यहां कांग्रेस के उभार का मतलब इन दोनों दलों का राजनीतिक पराभव ही होगा। भारतीय जनता पार्टी की मजबूती के चलते समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी समय-समय पर कांग्रेस के लिए दोस्ताना रवैया इसलिए दिखाती रही हैं कि उन्हें इससे खतरा नहीं नजर आता था। जबकि यह जगजाहिर है कि मुलायम सिंह यादव सरीखे नेताओं ने कांग्रेस को परास्त करके ही पिछले तीस-बत्तीस सालों में उत्तर प्रदेश में अपनी जगह बनाई थी। बाद में खुद की सरकार बनाने के लिए कांग्रेस की बैसाखी का सहारा भी लिया। लोगों को याद होगा जब मुलायम सिंह यादव ने अपनी सरकार में कांग्रेस की सहभागिता बनाने के लिए कांग्रेस विधायक प्रमोद तिवारी को उत्तर प्रदेश योजना आयोग का उपाध्यक्ष तक बनाया था। और 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस से गठजोड़ किया था।

बहुजन समाज पार्टी ने चूंकि कांग्रेस का ही दलित वोट बैंक खींचकर उसे यहां पैदल किया था इसलिए उसने कांग्रेस से काफी हद तक दूरी बनाए रखने की कोशिश जरूर की थी। हां, कुछ खास मौकों पर बसपा सुप्रीमो मायावती, सोनिया गांधी से गलबहियां करते भी देखी गई थीं। मायावती की केमिस्ट्री भारतीय जनता पार्टी के साथ बहुत जमी थी। भाजपा के कंधों पर बैठकर उन्होंने दो बार अपनी सरकार चलाई है। और इधर कुछ सालों में तो उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक भाजपा से बसपा का याराना लोगों ने देखा महसूस किया है। यह जरूर है कि विधानसभा चुनाव नजदीक देख मायावती भाजपा के लिए कुछ कड़वा बोलने लगी हैं लेकिन अभी दो दिन पहले कांशीराम की पुण्यतिथि के मौके पर लखनऊ में अपने कार्यकर्ताओं के बीच भाजपा सरकार के मुकाबले कांग्रेस पर कहीं ज्यादा हमले किए। कांग्रेस के लिए उनकी कड़वाहट 1985 के दौर जैसी ही थी। वजह यही कि उत्तर प्रदेश की धरती पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा जोरदार अंदाज में खम ठोंकती देखी सुनी जा रही हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने बनारस में किसान रैली के बहाने जिस आत्मविश्वास से भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों पर हमले बोले हैं उससे राजनीतिक पंडितों के कान खड़े हो गए हैं। उनकी नजर भी कांग्रेस को एक विकल्प के रूप में देखने लगी है। हालांकि एक तबका इस अफवाहबाजी में पीछे नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी ही प्रियंका गांधी को ऐसा मौका दे रही है ताकि समाजवादी पार्टी की ताकत को कमजोर किया जा सके। वोटों में बंटवारा कराकर राजनीतिक फायदा उठाया जा सके, लेकिन यह कहने वाले अक्सर भूल जाते हैं कि पिछले साढ़े चार सालों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार और समय-समय पर उत्तर प्रदेश में अपने दौरों-जनसभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को ही अपना निशाना बनाया है। भाजपा नेता प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को राजनीतिक पर्यटक बताने में अब भी नहीं चूकते हैं।

ऐसे में यह दलील खारिज होती लगती है कि भाजपा कांग्रेस को अवसर दे रही है। दरअसल,राजनीति में अपने प्रतिद्वंद्वी को गलती करने के अवसर तो दिए जाते हैं लेकिन मजबूत होने के अवसर नहीं दिए जाते हैं।अब बात करते हैं प्रियंका गांधी वाड्रा के उत्तर प्रदेश अभियान की। 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाकर भेजा। साथ ही उस समय के अपने विश्वस्त ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी अभियान में लगाया था। सिंधिया की योजना संभवतः कुछ और ही रही होगी जो बाद में दिख भी गई। वह प्रचार में नहीं आए। ऐसे में प्रियंका गांधी को अकेले ही उत्तर प्रदेश मथना पड़ा। चुनाव में कांग्रेस की दुर्गति हुई लेकिन तब से प्रियंका का आवागमन छूटा नहीं। पिछले कुछ सालों में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को विभिनन घटनाओं के हो जाने पर अगर मुश्किल झेलनी पड़ी तो सिर्फ प्रियंका के दौरों और उनकी बयानबाजी से। यहां के मुख्य विपक्षी दल मानी जाने वाली समाजवादी पार्टी या फिर बहुजन समाज पार्टी से योगी सरकार को खास परेशानी नहीं झेलनी पड़ी।

तराई के दलदल में भाजपा, विपक्ष को मिली उपजाऊ जमीन

अजीत सिंह

पिछले एक सप्ताह से देश के राजनैतिक भूगोल में यूपी-उत्तराखंड का तराई इलाका महत्वपूर्ण हो गया है। तराई स्थित यूपी के सबसे बड़े लखीमपुर खीरी जिले में तीन अक्टूबर को दो घटनाएं हुईं। यूपी में भाजपा नेताओं का विरोध नहीं हो सकता है, इससे यह गलतफहमी दूर हो गई। दिल दहला देने वाला लखीमपुर खीरी कांड किसान आंदोलन और विपक्षी राजनीति के लिए वैसी ही उपजाऊ जमीन तैयार कर सकता है, जैसे हिमालय की तराई के सुदूर तक फैले उर्वर इलाके में फसलें लहलहाया करती हैं। समय-समय पर भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें किसान आंदोलन से निबटने के अपने तौर-तरीकों से उसे और मजबूती देती रही हैं। चाहे हरियाणा में सरकारी कार्रवाइयां हों, पश्चिम उत्तर प्रदेश में भाजपा नेताओं की कोशिशें हों या अब लखीमपुर कांड, इन सबसे किसान आंदोलन का संदेश फैलता गया है।

पिछले साल जब तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान लामबंद हुए तो उसे हरियाणा-पंजाब का आंदोलन बताया गया था। उसके बाद जब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के नेता राकेश टिकैत ने दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर मोर्चा संभाले रखा तो आंदोलन को पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों तक सीमित माना गया। लेकिन पिछले एक सप्ताह से देश के राजनैतिक भूगोल में यूपी-उत्तराखंड का तराई इलाका महत्वपूर्ण हो गया है। तराई स्थित यूपी के सबसे बड़े लखीमपुर खीरी जिले में तीन अक्टूबर को दो घटनाएं हुईं। पहले आंदोलनकारी किसानों ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का हेलीकॉप्टर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के गढ़ में नहीं उतरने दिया। इससे पहले यूपी में भाजपा नेताओं का विरोध तो हुआ था, लेकिन सरकारी हेलीकॉप्टर न उतरने देने की यह पहली घटना थी। यूपी में भाजपा नेताओं का विरोध नहीं हो सकता है, इससे यह गलतफहमी दूर हो गई। लखीमपुर में विरोध-प्रदर्शन से लौट रहे किसानों को गाड़ियों से कुचलने की जो घटना हुई, उसने किसान आंदोलन में नया मोड़ ला दिया है। किसानों को कुचलने के आरोप जिस केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे अशीष मिश्रा पर हैं, उन्हें आज तक मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया गया है।

लखमीपुर कांड में चार किसानों और एक पत्रकार समेत कुल 8 लोगों की मौत हुई। इस दौरान हुई हिंसा में मंत्री का ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ता भी मारे गये। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर एक ट्वीट करना भी जरूरी नहीं समझा। दूसरी तरफ विपक्ष के नेताओं में मृतक किसानों के परिजनों से मिलने की होड़ मच गई। साल भर से कई तरह की बाधाएं और हमले झेल रहे किसान आंदोलन पर यह अब तक का सबसे बड़ा और हिंसक हमला है। घटना के छह दिन बाद विपक्ष के विरोध, किसानों की चेतावनी और सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा उर्फ मोनू भैया की गिरफ्तारी हुई। इन छह दिनों में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने जिस मजबूती के साथ योगी सरकार पर हल्ला बोला, उससे पूरे विपक्ष में जान पड़ गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल तो निश्चित रूप से बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ लखीमपुर कांड पर मौन रहे, उससे भाजपा के सत्ता के दंभ में होने का संदेश गया है। एक दागी अतीत वाले दबंग छवि के नेता को केंद्र में गृह राज्यमंत्री बनाना और फिर उसकी थार से किसानों को कुचला जाना मोदी सरकार पर सवाल खड़े करता है। अभी तक अजय मिश्रा से इस्तीफा न लेना भी मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष को मुद्दा दे रहा है। दूसरी तरफ योगी सरकार ने पूरी ताकत विपक्षी दलों के नेताओं को लखीमपुर जाने से रोकने पर लगा दी थी, जबकि 'मोनू भैया' इंटरव्यू देते घूमते रहे थे। इससे पहले गोरखपुर में हुए मनीष गुप्ता हत्याकांड को लेकर भी यूपी में कानून-व्यवस्था सुधारने के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के दावों पर सवाल उठ रहे हैं।

लखीमपुर कांड पर केंद्र और राज्य सरकार के रवैये ने किसान आंदोलन और विपक्ष की राजनीति को एक राह पर ला खड़ा कर दिया है, जो भाजपा की चुनावी शिकस्त की तरफ जाता है। गत 5 सितंबर को यूपी के मुजफ्फरनगर में हुई ऐतिहासिक किसान महापंचायत में किसान नेता राकेश टिकैत भाजपा पर "वोट की चोट" करने का आह्वान कर चुके हैं। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का साथ देने की किसान यूनियनों की रणनीति बंगाल में कामयाब रही है और अब इसे यूपी में दोहराया जाएगा। लखीमपुर कांड से न सिर्फ यूपी बल्कि पंजाब और उत्तराखंड की राजनीति भी गरमा गई है। देश के विभाजन के बाद पाकिस्तान और पश्चिमी पंजाब से आए किसानों को यूपी के तराई इलाके में बसाया गया था। अब यह इलाका यूपी और उत्तराखंड राज्यों में बंट चुका है लेकिन इसकी जड़ें पंजाब में हैं। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस से बगावत के सहारे सियासी जमीन तलाश रही भाजपा को वहां भी लखीमपुर कांड का नुकसान उठाना पड़ेगा।

तराई के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच और गोंडा जिलों में सिख किसानों का असर है। लखीमपुर खीरी जिले में करीब 15-20 फीसदी आबादी के साथ सिख काफी प्रभावशाली हैं जबकि बाकी जिलों में भी सिखों का असर है। उत्तराखंड में देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिलों की कम से कम 10-12 विधानसभा सीटों पर सिखों का असर है। तराई में जब पंजाब से आए किसानों ने खेती में कामयाबी के झंडे गाड़े तो पश्चिमी यूपी के बहुत से जाट किसान भी वहां सस्ती जमीनें खरीदकर बस गये थे। इस तरह न सिर्फ भौगोलिक रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी पश्चिमी यूपी और तराई के बीच जुड़ाव है, जिसे किसान आंदोलन ने मजबूत किया है।लखीमपुर में तीन अक्टूबर की घटना के बाद वहां सबसे पहले किसान नेता राकेश टिकैत पहुंचे। केंद्रीय मंत्री की बर्खास्तगी और बेटे की गिरफ्तारी के बिना प्रशासन से समझौते को लेकर टिकैत पर सवाल जरूर उठ रहे हैं, लेकिन तराई के किसानों में उनकी पैठ साबित हो चुकी है। जबकि पीलीभीत और लखीमपुर टिकैत के प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले किसान नेता वीएम सिंह का क्षेत्र है, जो 26 जनवरी की घटना के बाद खुद को संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन से अलग हो चुके हैं। लखीमपुर हिंसा में घायल हुए किसान नेता तेजिंदर सिंह विर्क भी काफी सक्रिय हैं। तराई के किसान आंदोलन की शुरुआत से ही बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और उन्होंने इसमें शहादतें दी हैं।

युवराज सिंह को पुलिस ने किया गिरफ्तार, अनुसूचित जाति पर की थी अपमानजनक टिप्पणी, बेल पर रिहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को हरियाणा के हांसी में अनुसूचित जाति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी मामले में रविवार को हिसार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, तुरंत अंतरिम जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई भी हो गई है। युवराज सिंह पर इंस्टाग्राम लाइव चैट सेशन के दौरान अनुसूचित जाति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा है। हांसी की पुलिस अधीक्षक नितिका गहलौत ने कहा कि युवराज हाई कोर्ट के निर्देशानुसार हिसार में जांच अधिकारी डीएसपी विनोद शंकर के समक्ष जांच में शामिल हुए। उन्होंने कहा, गिरफ्तारी के बाद उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया। हम क्रिकेटर का फोन पहले ही बरामद कर चुके हैं।

बता दें कि युवराज सिंह कुछ समय पहले सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम लाइव चैट सेशन पर बात कर रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच युजवेंद्र चहल को लेकर बात हो रही थी, तभी युवराज ने कथित दौर पर जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल किया था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें युवराज जातिवादी टिप्पणी करते हुए सुनाई दे रहे थे। उन्होंने कहा था, ह्वुये (जातिसूचक शब्द) लोगों कोई काम नहीं है क्या युजी को.. युजी को देखा कैसा वीडियो डाला है। हिसार के हांसी में दलित अधिकार कार्यकर्ता और एडवोकेट रजत कलसन द्वारा युवराज के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। कलसन ने युवराज की गिरफ्तारी की मांग की थी। दरअसल, सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो की क्लिप बनाई और इसे वायरल कर दिया। बाद में यह मामला तुल पकड़ लिया।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वर्ल्ड कप प्रैक्टिस मैच में इस चुनौती से पार पाना चाहेंगे कप्तान विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2021 की शुरुआत हो चुकी है। टूर्नामेंट के पहले मैच में ओमान ने धमाकेदार आगाज करते हुए पापुआ न्यू गिनी को 10 विकेट से रौंदा। मेजबान देश यानी टीम इंडिया को टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। लेकिन, इससे पहले टीम दो वॉर्मअप मैचों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से दो-दो हाथ करती नजर आएगी। विराट कोहली की सेना की इंग्लिश टीम से भिड़ंत 18 अक्टूबर को होनी है। इस मुकाबले में कप्तान विराट टीम के बैटिंग ऑर्डर को सेट करना चाहेंगे। वहीं, कोहली की चाहत यह भी होगी कि हार्दिक पांड्या इन दोनों प्रैक्टिस मैच का फायदा उठाने में सफल रहे और अपनी फॉर्म को वापस पा सकें।

टीम के सभी खिलाड़ी हाल ही में समाप्त हुई आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) का हिस्सा थे। ऐसे में कोहली के खिलाड़ियों के लिए मैच प्रैक्टिस कोई समस्या नहीं है, लेकिन 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट में अपने शुरुआती मैच से पहले उनकी कोशिश सही बैलेंस बनाने की होगी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम मैनेजमेंट उन खिलाड़ियों को मौका देना चाहेगा जिनकी जगह अंतिम एकादश में पक्की नहीं है। ऐसे खिलाड़ियों को बल्लेबाजी या गेंदबाजी के लिए और अधिक मौके देने की कोशिश होगी ताकि उनकी मौजूदा फॉर्म के बारे में बेहतर जानकारी मिल सके।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर उपकप्तान रोहित शर्मा का स्थान पक्का है जबकि उनके साथी के तौर पर इशान किशन और लोकेश राहुल के बीच किसी एक को चुनना कठिन विकल्प होगा। इन प्रैक्टिस मैचों में इन्हीं दोनों को पारी का आगाज करने का मौका मिल सकता है ताकि यह देखा जा सके की कौन बेहतर लय में है। राहुल हालांकि इसके लिए बड़े दावेदार होंगे क्योंकि उनके पास दबाव के मैच खेलने का अनुभव है। उन्होंने आईपीएल के 14वें सत्र में 138.80 के स्ट्राइक रेट से 626 रन (30 छक्कों सहित) बनाए हैं। किशन ने भी आईपीएल में मुंबई इंडियंस के आखिरी दो मैचों में लगातार तेज-तर्रार अर्धशतक लगाकर लय में आने के संकेत दिए।

उन्होंने इन दोनों मैचों में पारी का आगाज किया था राहुल अगर पारी का आगाज करते है तो किशन मध्यक्रम में छठे स्थान पर हार्दिक को कड़ी टक्कर देंगे। हार्दिक और किशन दोनों का हालांकि आईपीएल के यूएई चरण में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। हार्दिक की गेंदबाजी भी एक बड़ा मुद्दा होगा। इस बात की संभावना कम है कि वह गेंदबाजी करेंगे। ऐसे में यह देखना भी दिलचस्प होगा कि अगर वह टीम का हिस्सा है तो विकेटकीपर ऋषभ पंत से पहले बल्लेबाजी करेंगे या बाद में। स्पिन गेंदबाजी विभाग में रविंद्र जडेजा का टीम में स्थान पक्का है। अगर वरुण चक्रवर्ती फिट रहते हैं तो टीम में उनका स्थान भी लगभग पक्का है। तीसरे स्पिनर के लिए लेग स्पिनर राहुल चाहर और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के बीच मुकाबला होगा। तेज गेंदबाजी की कमान भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह को मिलने की उम्मीद है, लेकिन अगर टीम दो स्पिनरों के साथ उतरने का फैसला करती है तो टीम में शार्दुल ठाकुर को जगह मिल सकती है।

टी-20 वर्ल्ड कप में शाकिब अल हसन ने रच डाला इतिहास, तोड़ा दिग्गज लसिथ मलिंगा का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएई और ओमान में आयोजित हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप में इस समय बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच मैच खेला जा रहा है। इस मैच में बांग्लादेश के कप्तान महमुदुल्लाह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ है, क्योंकि टीम के स्पिनरों ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी है। इस मैच में बांग्लादेश के स्टार स्पिनर शाकिब अल हसन ने जैसे ही माइकल लीस्क को लिटन दास के हाथों कैच आउट कराया, वैसे ही उन्होंने श्रीलंकाई दिग्गज लसिथ मलिंगा का एक बड़ा तोड़ते हुए इतिहास रच दिया है। अब शाकिब के नाम टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

शाकिब के अब टी-20 इंटरनेशनल में विकेटों की संख्या 108 हो गई है, जो मलिंगा से एक विकेट ज्यादा है। जहां शाकिब ने इतने विकेट लेने के लिए 89 मैच खेले, वहीं मलिंगा ने 107 विकेट झटकने के लिए 84 मैच खेले। टी-20 इंटरनेशनल में 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में इन दोनों ही खिलाड़ी का नाम शामिल है। इन दोनों खिलाड़ियों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में न्यूजीलैंड के टिम साउदी, पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी और अफगानिस्तान के राशिद खान का नाम शामिल है। इन तीनों खिलाड़ियों के नाम क्रमशः 99, 98 और 95 विकेट दर्ज हैं।शाकिब ने स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में चार ओवरों में मात्र 17 रन दिए और दो विकेट झटक लिए। उनके अलावा मेंहदी हसन ने 19 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट झटके। इन दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर स्कॉटलैंड निर्धारित ओवरों में 140 रन ही बना पाया। स्कॉटलैंड की तरफ से क्रिस ग्रीव्स ने सर्वाधिक 45 रन बनाए। उनकी इस पारी में चार चौके और दो छक्के शामिल रहे। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुंसी ने 23 गेंदों पर दो चौके और दो छक्कों की मदद से 29 रनों की पारी खेली।

वीरेंद्र सहवाग ने बताया, क्यों आईपीएल 2022 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से ही खेलें एमएस धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चेनई सुपर किंग्स की टीम को चौथी बार आईपीएल का खिताब दिलाने में सफल रहे। 2008 से सीएसके की अगुवाई कर रहे माही अब अगले सीजन में इस टीम के साथ होंगे या नहीं इस बात को लेकर जमकर बहस छिड़ी हुई है। आईपीएल 2022 के लिए अगले साल मेगा ऑक्शन होना है और उसमें सीएसके की टीम धोनी को रिटेन करेगा या नहीं यह भी देखना होगा। हालांकि, चेनई की टीम मैनेजमेंट ने कहा है कि वह अगले सीजन माही को बतौर कैप्टन रिटेन करेंगे। इस बीच, भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का कहना है कि आईपीएल 2022 में धोनी को सीएसके की तरफ से ही खेलना चाहिए। वीरू ने इसके पीछे की वजह भी बताई है।

क्रिकबज के साथ बातचीत करते हुए सहवाग ने कहा, एक कप्तान की लिगेसी इस बात से जानी जाती है कि उसने कितनी ट्रॉफी जीती है। और धोनी ने चार टाइटल जीते हैं और 9 बार टीम को फाइनल में पहुंचाया है। तो उनसे मैच करना किसी भी कैप्टन के लिए मुश्किल टास्क होगा। रोहित शर्मा भले ही उनके रिकॉर्ड के करीब हूं, लेकिन 9 सीजन में फाइनल तक का सफर तय करने के लिए अभी उनको टाइम चाहिए होगा। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि चेनई सुपर किंग्स इस टी-20 टूर्नामेंट की बेस्ट टीम है, जो निरंतरता के साथ खेलती है। पिछले साल वह प्वॉइंट टेबल में नीचे रहे थे और उससे पहले उनको दो साल के लिए बैन किया गया था। तो 13 से 14 साल में से वह तीन दफा दौड़ से बाहर रहे। लेकिन, बाकी सीजन में वह प्लेऑफ खेले और 9 बार फाइनल में पहुंचे।

सहवाग ने आगे कहा, यह एक लाजवाब टीम है। टीम इंडिया में धोनी की महानता को कोई पीछे नहीं छोड़ सकता और उम्मीद है कि दूसरे कप्तानों के लिए भी सीएसके की तरफ से ऐसा कर पाना बहुत मुश्किल होगा। मुझे लगता है कि उनका अभी चेनई में एक साल और बचा हुआ है। उनका अगला सीजन जरूर खेलना चाहिए और उसके बाद रिटायर होना चाहिए। धोनी की कप्तानी में चेनई ने 2010, 2011 और 2018 में भी आईपीएल की ट्रॉफी पर कब्जा किया था।

आईपीएल में धूम मचाकर लौटे ऋतुराज गायकवाड़ का घर पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में ऋतुराज गायकवाड़ ने बल्ले से खूब धमाल मचाया। चेनई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए इस सलामी बल्लेबाज ने अपनी बैटिंग से हर किसी का दिल जीता। ऋतुराज ने इस सीजन 635 रन ठोके और ऑरेंज कैप पर भी कब्जा जमाया। महाराष्ट्र के इस बल्लेबाज ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से खूब वाहवाही बटोरी और वह इस समय क्रिकेट पंडितों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। सीएसके को चैंपियन बनाकर घर लौटने पर इस ओपनर का जोरदार स्वागत हुआ और फैन्स उनकी एक तस्वीर लेने को उत्सुक नजर आए। चेनई सुपर किंग्स ने अपने ट्विटर हैंडल पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें ऋतुराज कार से घर पहुंचते हुए नजर आ रहे हैं। घर पहुंचने पर उनकी मां इस खिलाड़ी का स्वागत करती हुई नजर आ रही हैं। उनके आसपास फैन्स की भीड़ भी दिखाई दे रही है, जो उनकी एक झलक पाने के लिए काफी देर से इंतजार कर रहे थे। ऋतुराज ने इस सीजन आईपीएल में खेले 16 मैचों में 136.26 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग करते हुए 635 रन कूटे। इस दौरान सीएसके के ओपनर ने 4 अर्धशतक और एक शतक ठोका। ऋतुराज के दमदार प्रदर्शन के बूते ही पिछले सीजन प्लेऑफ में अपनी जगह नहीं बना पाने वाली चेनई की टीम इस बार खिताब को अपने नाम करने में सफल रही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय निषाद का होगा जोरदार स्वागत : विपुल

अखंड भारत संदेश

स्वागत समारोह को लेकर सभी तैयारी पूरी, कार्यकर्ताओं को दी गई जिम्मेदारी

ज्ञानपुर। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय कुमार निषाद को विधान परिषद सदस्य बनाए जाने के बाद जनपद भदोही में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा जीटी रोड से लेकर विधानसभा क्षेत्र के शिवनगर कलीपुर में आयोजित स्वागत समारोह कार्यक्रम स्थल तक जोरदार स्वागत किया जाएगा। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगों से आवाहन भी किया जा रहा है। उक्त बातें निषाद पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी विपुल दुबे ने रविवार को एक बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि डा संजय कुमार निषाद गरीबों, असहायो के मसीहा है, जो हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों के लिए संघर्ष करते रहे। जिसका परिणाम है कि आज उनके कायी को देखते हुये भाजपा की सरकार ने उन्हें विधान परिषद सदस्य बनाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में एक साथ मिलकर चुनाव लडने का घोषणा भी कर दिया। श्री दुबे ने कहा कि 20 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय कुमार निषाद का जनपद में आगमन होगा और कलीपुर शिवनगर में एक स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें कार्यकर्ताओं द्वारा जहां स्वागत किया जाएगा तो वहीं आगामी चुनाव व अपने हक की लड़ाई लडने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कार्यकर्ताओं के बीच में जोश भरते हुए नई ऊर्जा का संचार किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि हम सभी निषाद पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के सफलता के लिए तैयारी पूर्ण कर लिया है और कार्यकर्ताओं को अलग से जिम्मेदारी भी दे दी गई है। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष मिठाई लाल केवट, जिला अध्यक्ष, युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव योगेन्द्र बिंद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आदेश के बावजूद भी नहीं हो रहा शिकायतों का निपटारा

अखंड भारत संदेश

पीड़ित व्यक्ति ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर की शिकायत

भदोही। जिलाधिकारी द्वारा भले ही संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किए जाते हो कि इन दिवसों में आने वाली शिकायतों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। लेकिन राजस्व कर्मियों की लापरवाही के कारण शिकायतों का निपटारा नहीं हो पा रहा है। ऐसे में फरियादियों को अपनी समस्याओं को लेकर अधिकारियों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है या फिर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगानी पड़ती है। क्षेत्र के अमरौना गांव निवासी तनवीर अख्तर पुत्र जमील ने न्याय न मिलने पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र भेजा। उन्होंने विपक्षी पर मकान का निर्माण न करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि पुलिस व राजस्व कर्मियों को अपने साजिश में करके विपक्षी कब्जा दखल में अवरोध पैदा कर रहे है।

उन्होंने भेजें गए शिकायती पत्र में कहा कि भूमि सं. 26 रकबा 2 बिस्वा 15 धूर, भूमि सं. 14 रकबा 6 बिस्वा व भूमि सं. 16 रकबा 8 बिस्वा 13 धूर मौजा फत्तुपुर अमरौना में सहखातेदार हम प्रार्थी के नाम संक्रमणीय भूमिधर है। उस जमीन से विपक्षी का कोई वास्ता नहीं है। उनका दखल कब्जा भी नहीं है। आराजी सं.16 के संबंध में बंटवारा दाखिल किया गया है। जो अंतिम रुप से निणय्न हो गया है। शेष आराजी के संबंध में विपक्षी 229 बी का मुकदमा एसडीएम न्यायालय में दाखिल गया। जो विचाराधीन है। उक्त वाद में स्थगन आदेश पारित किया गया। आदेश को मंडलायुक्त ने निरस्त कर दिया था। विपक्षी द्वारा उच्च न्यायालय में रिट याचिका दाखिल की गई। उच्च न्यायालय ने 2014 को आयुक्त के आदेश पर रोक अगली लिस्टिंग तक लगा दिया था और आदेश अब प्रभावी नहीं है। उच्च न्यायालय द्वारा 2019 को पारित किया गया। जिस पर स्थगन आदेश को नहीं बढ़ाया गया। अब स्टे आदेश खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि भूमि सं.26 पर मुद्दत से कायम जर्जर मकान था। जिसे गिराकर पीलर आदि का निर्माण शुरू किया गया। कोई स्टे आदेश नहीं है। फिर भी विपक्षी द्वारा रोका जा रहा है। विपक्षी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग को लेकर उन्होंने एसडीएम व सीओ के साथ ही संपूर्ण समाधान दिवस पर भी शिकायत की। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी।

सर्वेश राय पुनः बनाए गए जद (यू) जिलाध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने क्षेत्र के मुसीलाटपुर गांव निवासी समाजवादी नेता सर्वेश राय को पार्टी का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। इसके पहले भी सर्वेश राय जद (यू) के भदोही जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। वे देश के पूर्व रक्षा मंत्री स्व. जार्ज फर्नांडिस के सिद्धांतों और समाजवादी नीतियों से प्रभावित होकर समता पार्टी में शामिल हुई थे। जब जार्ज फर्नांडिस ने जनता दल (यूनाइटेड) का गठन किया तो वे उसमें शामिल हो गए और पार्टी ने उन्हें जिले के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी। जिसको उन्होंने बखूबी निर्वहन किया और पार्टी के बैनर तले लोकसभा व विधानसभा का चुनाव लड़ाया। उस चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को सम्मानजनक वोट भी हासिल हुआ। पार्टी ने एक बार फिर उनको जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने बताया कि पार्टी विधानसभा चुनाव में उतरेगी।

मुवावजे की मांग को लेकर शव को सड़क पर रखकर लगाया जाम

अखंड भारत संदेश

पांच लाख के आश्वासन में सड़क से हटे लोग

चौरी। सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत होने पर परिजनों ने शव को ममहर चौरी मार्ग पर रखकर सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही मौके पर सीओ औराई राम लखन मिश्रा सहित चार थानों की फोर्स व पीएसी के जवान भी पहुंच गये। पुलिस के लोग शव को उठाने तथा जाम समाप्त करने के लिए परिजनों सहित मौके पर इकट्ठा भीड़ को समझाने बुझाने का प्रयास किया। लेकिन परिजन आर्थिक सहायता की मांग को लेकर जिले के उच्चाधिकारियों को मौके पर आने की बात पर डटे रहे। हालांकि हल्का लेखपाल ने 5 लाख रुपया मुआयजा दिलाने का आश्वाशन दिया तब जाकर एक घंटे के बाद जाम को समाप्त करने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। बताया जाता है कि गत 01 अक्टूबर को रमईपुर निवासी रतन सरोज का 29 वर्षीय पुत्र अमित सरोज रात में शौच के लिए गया था। ममहर बाजार स्थित शीतला माता मंदिर के सामने एक अनियंत्रित बाइक से जोरदार धक्का लग गया था। जिससे वह गम्भीर रुप से घायल हो गया था। वहीं परिजनों द्वारा युवक को वाराणसी के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। इस घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने 02 अक्टूबर को ममहर निवासी एक युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। 15 अक्टूबर को युवक अस्पताल से घर आ गया था। वहीं शनिवार को दोपहर में घायल युवक की तबियत अचानक बिगड़ने लगी। परिजन पुनः उसे वाराणसी ले जा रहे थे कि रास्ते में उसकी मौत हो गयी।

पुण्यतिथि पर याद किये गए डा.सोनेलाल पटेल

भदोही। अपना दल एस जिलाध्यक्ष सुनील पटेल के अध्यक्षता में अपना दल के संस्थापक डा. सोनेलाल पटेल की पुण्यतिथि मनाई गई। श्रद्धांजलि समारोह रजपुरा चौराहा के एक निजी प्रतिष्ठान में मनाया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर जवाहर लाल पटेल राष्ट्रीय महासचिव व पिछड़ा वर्ग सदस्य ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर उनका अंगवस्त्र व डा. भीमराव अंबेडकर का चित्र भेट कर सम्मानित करने का कार्य जिलाध्यक्ष ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि उन्होंने सदैव शोषितों, कमेरों, वंचितों व किसानों की लड़ाई लड़ने का कार्य किया। उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई लड़कर लोगों के सम्मान को सदैव जीवित करने का कार्य किया।।

ग्राम प्रधान संघ ने विधायक को सौंपा 16 सूत्रीय मांग पत्र

अखंड भारत संदेश

राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन का जिला सम्मेलन आयोजित

भदोही। क्षेत्र के सरीई बाजार स्थित ग्राम प्रधान जितेंद्र पांडे उर्फ बड्डा के विद्यालय परिसर में रविवार को राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन का जिला सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रधानों की समस्या को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान प्रदेश सरकार के समक्ष अपनी मांगों को लेकर को 16 सूत्रीय मांग पत्र विधायक औराई एवं पूर्व मंत्री दीनानाथ भास्कर तथा जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी को सौंपा गया। सम्मेलन में प्रधानों ने गांव में होने वाले विकास कार्यों को लेकर ग्राम सभा का बजट बढ़ाने की मांग की। कहा कि गांव में सरकार द्वारा जो भी निर्देश दिए गए हैं उसे पूरा कर पाने में गांव के पास बजट का अभाव देखा जा रहा है। कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप गांव का विकास हो सके इसके लिए सरकार बजट बढ़ाने पर विचार करें। साथ ही मांग किया कि ग्राम प्रधान के आकस्मिक मृत्यु पर मुआवजे के रूप में 35 लाख रुपया देने की व्यवस्था की जाए। वहीं ग्राम प्रधानों मानदेय जो 35 सौ है, उसे बढ़ाकर 35000 किया जाए। क्योंकि ग्राम प्रधान की कलम से रखे जा रहे कर्मचारियों को वेतन दिया जा रहा है। प्रधान का मानदेय उनसे भी कम है। ऐसे में सरकार प्रधानों की समस्या पर विचार करें और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने में सहयोग करे। सम्मेलन में विधायक दीनानाथ भास्कर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि ग्राम प्रधान संगठन की ओर से जो 16 सूत्रीय मांग पत्र दिया गया है, शीघ्र ही इसे मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखा जाएगा। जो मांग नियम संगत है उसे पूरा कराने की भी पूरी कोशिश रहेगी। सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ललित शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष गोपीनाथ गिरी, जिला प्रभारी जय प्रकाश दुबे, बृजेश दुबे, अवधेश शुक्ला, जितेंद्र उर्फ बड़ा पांडे, अरुण सिंह, अश्वनी मिश्रा, शिव कुमार मिश्रा, श्रीधर पाठक, रमेश गुप्ता, संदीप दुबे आदि रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

इस बार मिल पाएगी कोवैक्सीन को मंजूरी? 26 अक्टूबर को बैठक करेगी डब्लूएचओ की टीम

हैदराबाद (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन का तकनीकी सलाहकार समूह 26 अक्टूबर को भारत बायोटेक के कोविड??-19 रोधी टीके कोवैक्सीन के आपातकालीन उपयोग पर विचार करने के लिए बैठक करेगा। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय की प्रमुख वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। स्वामीनाथन ने ट्वीट किया, 'तकनीकी सलाहकार समूह की कोवैक्सीन के आपातकालीन उपयोग पर विचार करने के लिए 26 अक्टूबर को बैठक होगी। इसके लिए भारत बायोटेक के साथ मिलकर डब्लूएचओ काम कर रहा है। हमारा लक्ष्य आपातकालीन उपयोग के लिए स्वीकृत टीकों की एक व्यापक सूची और हर जगह तक पहुंच का विस्तार करना है।

यूपी में आंधी-बारिश का कहर, पांच लोगों की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। मानसून की विदाई के सप्ताह भर बाद रविवार को अचानक तेज आंधी और बारिश ने प्रदेश के कई जिलों में कहर बरपाया। आकाशीय बिजली और बारिश के कारण हादसों में दो मासूमों समेत पांच लोगों की जान चली गई। जगह-जगह पेड़ गिरने और जलभराव से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी वहीं फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ऊपर तैयार हुए पश्चिमी विक्षोभ ने स्थानीय पुरवा हवाओं का साथ पाकर पूरे रविवार को उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों को भिगो दिया। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। वहीं लखनऊ, मेरठ, मथुरा,आगरा, मुजफ्फरनगर समेत मध्य और पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई जिलों भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई। बहराइच के बेहड़ा गांव

में आंधी व बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों चन्दन मिश्रा व संतोष वर्मा की मौत हो गई जबकि श्यामू, जगदीश, ध्रुव और शाकिर झुलस गए। सभी को शिवपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। सीतापुर में रामकोट के जवाहरपुर गांव में पक्की दीवार ढहने से उसकी चपेट में आकर दस वर्षीय रुचि की मौत हो गई और दो अन्य बच्चियां घायल हो गईं। वहीं मानपुर के डफरा गांव में पेड़ गिरने से 20 वर्षीय नरेंद्र की चपेट में आने से जान चली गई। सिद्धार्थनगर में भी तेज आंधी व बारिश में दीवार गिरने से मासूम बच्ची की मौत हो गई।

बहराइच में शाम छह बजे तक राज्य की सर्वाधिक 33.4 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। यही हाल बस्ती का रहा। बस्ती में करीब चार घंटे लगातार पानी बरसा। बुलन्दशहर, सहारनपुर, बागवत, हापुड़, गाजियाबाद, शाहजहांपुर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी भारी बारिश हुई। बेमौसम हुई बारिश व तेज आंधी से खेतों में कटी पड़ी धान की फसल को नुकसान पहुंचा। फसल भीगने से किसानों की समस्या बढ़ गई। धान कटाई प्रभावित होने से सरसों व आलू की बुआई भी प्रभावित होगी। मौसम विभाग द्वारा जारी तीन दिन के अलर्ट से ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। वे पकी फसल घर तक लाने को लेकर परेशान है। मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि इस विक्षोभ का असर अगले दो-तीन दिन तक रहेगा। बादलों की आवाजाही लगी रहेगी ।

चीन पर नजर रखने के लिए भारत ने तैनात किए हेरोन मार्क-1 ड्रोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मीसामारी आर्मी एविएशन बेस में भारतीय सेना ने पड़ोसी मुल्क चीन की हरकतों पर नजर रखने के लिए मानवरहित हेरोन मार्क-1 ड्रोन की तैनाती कर दी है। दुश्मनों की हरकतों पर नजर रखने के लिए भारत ने ये ड्रोन इजरायल से खरीदे हैं। ड्रोन का एक वीडियो भी सामने आया है, जो कि लैंडिंग से ठीक पहले का है। यह ड्रोन लगभग 30000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इस ड्रोन की मदद से भारतीय सेना दूर से ही दुश्मनों पर नजर रख रही है। यह एक बार में उड़ान भरने के बाद 24-30 घंटे तक आकाश में रहकर नजर रख सकता है और वहीं से यह कंट्रोल रूम को दुश्मनों की हरकतों के बारे में फोटो और वीडियो उपलब्ध करा सकता है।असम के मीसामारी आर्मी एविएशन बेस के मेजर कार्तिक गर्ग ने कहा कि इसमें दिन और रात का कैमरा है और खराब मौसम के लिए भी हमारे पास सिंथेटिक-एपर्चर रडार है जो पूरे इलाके का ट्रैक दे सकता है। ड्रोन

के लैंड करते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें आप देख सकते हैं किस तरह से यह एक विमान की तरह उड़ान भरकर दुश्मनों पर नजर रखता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दुश्मनों की हरकतों की पल पल की जानकारी सेना को मुहैया कराता रहता है।

पोस्टर में सीएम योगी को दिखाया रावण, प्रियंका गांधी को राम, हिंदू युवा वाहिनी ने दर्ज कराया केस

मऊ (एजेंसी)। यूपी में सीएम योगी और प्रियंका गांधी के वायरल पोस्टर ने बवाल खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल इस पोस्टर में सीएम योगी को रावण और प्रियंका गांधी को राम दिखाया गया है। पोस्टर वायरल होते ही हिन्दु युवा वाहिनी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। हियुवा के जिला संयोजक अजय सिंह ने कांग्रेस के पूर्व विधान सभा प्रत्याशी राजमंगल यादव के खिलाफ घोसी थाने में तहरीर दी है। हियुवा के जिला संयोजक की तहरीर पर रविवार को घोसी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की छानबीन में जुट गई है। हिन्दू युवा वाहिनी के जिला संयोजक अजय सिंह ने बताया कि विजय दशमी पर्व के अवसर पर कांग्रेसी

नेता राजमंगल यादव द्वारा सोशल साइड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक पोस्टर वायरल हुआ है। जिसमें सीएम योगी को रावण और प्रियंका गांधी को राम दिखाया गया। यह पोस्टर वायरल होने के बाद से बवाल मचा है। इसकी जानकारी होते ही हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। जिला संयोजक द्वारा घोसी कोतवाली में आरोपी कांग्रेसी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दिया गया।

घोसी कोतवाली में दर्ज मुकदमे में घोसी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कांग्रेस नेता राजमंगल यादव पर मुख्यमंत्री का आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाया गया है। बताते चलें कि हियुवा के जिला संयोजक अजय सिंह ने घोसी कोतवाली में शनिवार की शाम को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। घोसी कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर आईपीसी की धारा 505 धार्मिक भावना भड़काने एवं 67 आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद राजनीतिक गलियारे का तापमान अचानक तेज हो गया है।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह बोले, सीडब्लूयूसी की बैठक सिर्फ औपचारिकता, सोनिया गांधी 21 साल से हैं कांग्रेस की बॉस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूयूसी) की बैठक सिर्फ एक औपचारिकता थी क्योंकि सोनिया गांधी 21 साल से पार्टी की बॉस हैं।

नटवर सिंह ने कहा कि शनिवार को हुई सीडब्लूयूसी की बैठक का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है, क्योंकि बैठक से पहले शोर मचाने वाले सदस्य बैठक के दौरान चुप रहे। नटवर सिंह ने कहा कि पार्टी में जिस तरह से जमीन पर प्रदर्शन कर रही है, वह आगामी विधानसभा चुनावों में पांच में से एक भी राज्य नहीं जीत पाएगी। एक बात करते हुए पूर्व कांग्रेस दिग्गज और पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने कहा, ठसीडब्लूयूसी बैठक

सिर्फ एक औपचारिकता थी क्योंकि सोनिया गांधी 21 साल से पार्टी की पूर्णकालिक बॉस हैं। पार्टी अध्यक्ष का अगला चुनाव सितंबर 2022 को होगा। पार्टी अध्यक्ष के लिए कोई रिक्ति नहीं थी। सोनिया गांधी ही पार्टी की बॉस हैं। वह 21 साल से पार्टी की बागडोर संभाल रही हैं।

कांग्रेस के पूर्व दिग्गज ने कहा कि शनिवार को हुई सीडब्लूयूसी की बैठक का कोई ठोस परिणाम नहीं निकलना था क्योंकि बैठक से पहले शोर मचाने वाले सदस्य ही बैठक के दौरान चुप रहे। सिंह ने कहा, ठकांग्रेस पार्टी को मिलकर काम करना चाहिए नहीं तो वह राजनीति में भाजपा से पिछड़ जाएगी। नटवर सिंह ने कहा, ठपार्टी जिस तरह से जमीन पर प्रदर्शन कर रही है, वह आगामी विधानसभा चुनावों में पांच में से एक भी राज्य नहीं जीत पाएगी।

वैसे भी मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस पार्टी एक से अधिक राज्यों में अपनी जीत दर्ज करेगी क्योंकि उसका कोई संगठन नहीं है। लेकिन ये भी सच है कि कोई अन्य पार्टी नहीं है। कांग्रेस के अलावा जो विपक्ष की भूमिका निभा सकती है। सीडब्लूयूसी की बैठक कांग्रेस पार्टी में सर्वोच्च निकाय है जो चुनाव और कई अन्य मुद्दों पर फैसला करती है। 23 (जी -23) नेताओं के समूह पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा था कि मीडिया के माध्यम से उनसे बात करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सोनिया गांधी ने कहा, ठमैंने हमेशा स्पष्टता की सराहना की है। मीडिया के माध्यम से मुझसे बात करने की कोई आवश्यकता नहीं है। हम सभी को एक स्वतंत्र और ईमानदार चर्चा करनी चाहिए। दरअसल, कांग्रेस के 23 सदस्यों (जी -23) के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिछले साल अगस्त में सोनिया गांधी को एक पत्र लिखकर कई संगठनात्मक सुधारों की मांग की थी। बैठक से पहले जी-23 नेताओं ने सीडब्लूयूसी सदस्यों, केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) के सदस्यों और संसदीय बोर्ड चुनावों के लिए चुनाव की मांग की थी।

केरल में भारी बारिशः अब तक 22 लोगों की मौत, सेना और एनडीआरफ ने संभाला मोर्चा

कोट्टायम (एजेंसी)। केरल के दो जिलों में भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाओं में मृतकों की संख्या रविवार को बढ़कर 22 हो गई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति से निपटने के लिए राज्य को मदद की पेशकश की है। बारिश प्रभावित विभिन्न इलाकों से 22 शव बरामद किए गए। इनमें कोट्टायम से 13 और इडुक्की से नौ शव बरामद हुए। स्थिति को देखते हुए सेना के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने बचाव अभियान जारी रखा है। अधिकारियों ने बताया कि कोट्टायम और इडुक्की जिलों के पर्वतीय इलाकों में शनिवार को भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ एवं भूस्खलन से लोगों की मौत हुई। इडुक्की की जिलाधिकारी शीबा जॉर्ज ने बताया कि खराब मौसम के कारण इडुक्की के पहाड़ी इलाकों में यात्रा पर प्रतिबंध है। उन्होंने बताया, ''अब तक नौ शव बरामद किए गए हैं। दो लोग लापता है।''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन से फोन पर बात की और बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की। मोदी ने ट्वीट किया, ''केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन से बातचीत की और केरल में भारी बारिश तथा भूस्खलन के मद्देनजर स्थिति पर विचार-विमर्श किया। अधिकारी घायलों और प्रभावितों

की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, ''मैं सभी के सुरक्षित रहने और उनकी भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'यह दुखद है कि केरल में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण कुछ लोगों की मृत्यु हो गई। मेरी संवदेनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ है।'' वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित केरल के लोगों को हर संभव सहायता मुहैया कराएगा। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि सरकार ''भारी बारिश और बाढ़ के मद्देनजर केरल के कुछ हिस्सों की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।'' शाह ने कहा, ''केंद्र सरकार जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हर संभव सहायता मुहैया कराएगी। एनडीआरएफ की टीम पहले ही बचाव अभियान में मदद के लिए भेजी जा चुकी है। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।'' राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने कहा कि मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि सघन बचाव अभियान के दौरान मलबे से तीन बच्चों के शव बरामद किए गए। अधिकारियों ने कहा कि आठ, सात और चार साल की उम्र के ये बच्चे एक-दूसरे को पकड़े हुए थे।

केरल में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्रों में समय पर बचाव अभियान शुरू करने में विफल रही है। उन्होंने कोक्कायार और कूट्टिकल का दौरा किया था।कोट्टयम जिले के कुट्टिकल में 40 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 75 वर्षीय मां, 35 वर्षीय पतनै और 14, 12 और 10 वर्ष की तीन बच्चियों सहित परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। परिवार का मकान भूस्खलन की चपेट में आ गया था। तीन लोगों के शव कल बरामद किए गए थे और शेष शव आज बचावकर्मियों ने खोजे। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि दक्षिणपूर्वी अरब सागर तथा उससे लगते केरल पर कल बना कम दबाव का क्षेत्र अब कमजोर हो गया है। विभाग ने कहा,'' इसके प्रभाव से केरल और माहे में 17 अक्टूबर को दूर दराज के इलाके में भारी बारिश के आसार हैं और इसके बाद ये कम हो जाएगी।'' एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि कोट्टयम पहुंचे सेना के एक दल ने मलबे में लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया, ''स्थानीय सूत्रों के अनुसार कुछ लोग अब भी फंसे हुए हैं। अभी भारी बारिश का कोई अनुमान नहीं है। पैंगोड सैन्य स्टेशन की मद्रास रेजीमेंट ने कूट्टीकल से चार किलोमीटर दूर कवाली गांव में बचाव अभियान शुरू किया।

'दक्षिण एशिया में इस्लामिक एजेंडा कर रहा काम, कश्मीर से बांग्लादेश तक हिंदुओं की हत्या पर मनीष तवारी का सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'दक्षिण एशिया में इस्लामिक एजेंडा कर रहा काम'; कश्मीर से बांग्लादेश तक हिंदुओं की हत्या पर मनीष तवारी का सवाल जम्मू-कश्मीर में गैर-मुस्लिमों की टारगेट किलिंग से लेकर बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी की प्रतिक्रिया आई है। रविवार को कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि साउथ एशिया में एक बड़ा इस्लामिक एजेंडा काम कर रहा है। मनीष तिवारी ने कश्मीर में घुसपैठ, गैर-मुस्लिमों की हत्या और बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के बीच संबंध को लेकर सवाल किया। मनीष तिवारी ने ट्वीट किया, 'उन्होंने कहा, 'क्या कश्मीर में हो रही गैर-मुसलमानों की हत्याएं, बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं की हत्या और पुंछ में 9 जवानों की शहादत के बीच कोई लिंक है? शायद ऐसा है। दक्षिण एशिया में एक बड़ा इस्लामिक एजेंडा काम कर रहा है।'

कांग्रेस नेता का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में शनिवार को आतंकियों ने दो गैर-कश्मीरियों की गोली मारकर हत्या कर दी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और पुलवामा जिले में शनिवार को अलग-अलग घटनाओं में आतंकवादियों ने दो गैर स्थानीय लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। सगीर अहमद (56) को पुलवामा जिले में गोली मारी गई थी और बिहार के बांका जिले के रहने वाले अरविंद कुमार साह (30) को शनिवार शाम को श्रीनगर में ईदगाह के पास पार्क के बाहर गोली मारी गई थी।

इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में सेना के सात जवानों की हत्या करने में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पुंछ और राजौरी जिलों के वन्य क्षेत्रों में चलाया जा रहा सघन तलाशी अभियान शनिवार को छठे दिन भी जारी है और इस दौरान एक जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत दो जवान शहीद हो गए। दो जवानों की मौत के साथ ही पुंछ के सुरनकोट वन में सोमवार से शुरू हुए अभियान में अब तक नौ जवान शहीद हो चुके हैं। बाद में यह अभियान पुंछ के मेंढर और राजौरी के थानामंडी तक फैल गया।

शिया मुसलमानों का जानी दुश्मन बनाआईएसआईएस, खुलेआम चेताया- जहां भी रहोगे, हम तुम्हें मार देंगे

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद अब आईएसआईएस पूरी तरह से एक्टिव हो गया है। आईएसआईएस-के न सिर्फ शिया समुदाय को टारगेट कर धमाके कर रहा है, बल्कि खुलेआम इस समुदाय के कत्लेआम की चुनौती दे रहा है। उसने कहा है कि शिया मुसलमान जहां भी होंगे, उन्हें ढूंढकर मारेगा। इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) या दाएश ने एक बयान में कहा कि शिया मुसलमान खतरनाक हैं और उन्हें हर जगह निशाना बनाया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई। आतंकी समूह के साप्ताहिक अल-नबा ने यह चेतावनी प्रकाशित की है। खामा प्रेस ने बताया कि इसमें आगे लिखा है कि शिया मुसलमानों को उनके घरों और केंद्रों पर निशाना बनाया जाएगा। इस बयान से खास तौर पर अफगानिस्तान में रहने वाले शिया मुसलमानों को खतरा है।

आईएसआईएस ने कहा कि बगदाद से खोरासान तक हर जगह शिया मुसलमानों को निशाना बनाया जाएगा। खामा प्रेस के अनुसार, तालिबान द्वारा देश पर नियंत्रण करने के बाद से आईएसआईएस-खुरासान अब अफगानिस्तान में शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में शुक्रवार को एक शिया मस्जिद में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के बाद यह चेतावनी दी गई, जिसमें 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हो गए।

हमले का दावा आईएस-के ने किया था। 8 अक्टूबर को अफगानिस्तान के कुंदुज में एक शिया मस्जिद पर हुए एक और आतंकवादी हमले में 100 से अधिक लोग मारे गए और कई घायल हो गए। उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदुज में सैयद अबाद मस्जिद में उस समय घातक विस्फोट हुआ जब स्थानीय निवासी शुक्रवार की नमाज के लिए मस्जिद में शामिल हुए।

बांग्लादेशः हिंदुओं के मंदिर, व्यवसायों पर फिर हमला, अल्पसंख्यक समूह देशभर में करेंगे अनशन

ढाका (एजेंसी)। कुरान के कथित अपमान के मामले में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि कट्टरपंथियों की हिंसा के विरोध में बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने 23 अक्टूबर से भूख हड़ताल का ऐलान किया है। साथ ही पीएम शेख हसीना से मामले में सख्त एक्शन लेनी की बात कही है। चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों के खिलाफ जल्दी कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।एक समाचार के मुताबिक, बांग्लादेश के लगभग हर कोने में हिंदू समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। कुरान के कथित अपमान के मामले में कट्टरपंथी लोग पिछले एक सप्ताह में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बना रहे हैं। इस हिंसा में अब तक आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि

कई हिंदू मंदिरों में तोड़-फोड़ भी की गई। ये सभी नवरात्रि से शुरू हुआ है। अब बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस हिंसा के खिलाफ 23 अक्टूबर से देशभर में भूखहड़ताल का ऐलान किया है।

बांग्ला अखबार द ट्रिब्यून के मुताबिक, राजधानी ढाका से लगभग 157 किलोमीटर दूर फेनी में बीते शनिवार को हिंदू मंदिरों और दुकानों में कट्टरपंथियों ने जमकर उत्पात मचाया। कई दुकानों और मंदिरों में तोड़-फोड़ की गई। इस हिंसा में फेनी मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी निजामुद्दीन सहित कम से कम 40 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम 4:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) से आधी रात तक हुई झड़प में हिंदुओं के साथ बर्बरता की गई और लूटपाट की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि शनिवार को कुछ बदमाशों ने सिराजदीखान उपजिला के रासुनिया संघ में दानियापारा महा शोशन काली मंदिर में छह मूर्तियों को तोड़ दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्गा पूजा समारोह के दौरान हिंदू मंदिरों पर हमले और तोड़फोड़ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शनिवार को भी देश भर में जारी रहा। साथ ही बर्बरता के कारण लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। इस बीच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के महासचिव एडवोकेट राणा दासगुप्ता ने चटगांव प्रेस क्लब में संवाददातों से कहा कि परिषद ने दुर्गा पूजा समारोह के दौरान हमलों के विरोध में 23 अक्टूबर से धरना और भूख हड़ताल की घोषणा की। विरोध कार्यक्रम ढाका के शाहबाग और चटगांव के अंदरकिला में होंगे।

घोषणा करने से पहले, मंच ने शनिवार को चटगांव में छह घंटे की हड़ताल की। ??बांग्लादेश पूजा उदयपन परिषद ने दुर्गा पूजा समारोह के दौरान हुई बर्बरता, हिंसा और तबाही में शामिल कट्टरपंथी लोगों के खिलाफ एक्शन की मांग की है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025